तापमान
अधिकतम 39.2 डिग्री
न्यूनतम 25.2 डिग्री

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, शुक्रवार 26 जून 2026

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

दुर्ग पुलिस को चोरों का खुला चैलेंज- एक ही घर में लगातार चोरी करके बनाई हैट्रिक

लाखों की चोरी होने के बाद पुलिस महज कुछ हजार की चोरी दर्शाकर मामले को बना रही छोटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

दुर्ग जिले के सुपेला थाना की स्मृति नगर चौकी क्षेत्र अंतर्गत एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां कातुल बोर्ड एरिया में एक महिला के घर में चोरों ने लगातार तीन बार चोरी कर चोरी की हैट्रिक बना डाली।

हर बार महिला ने पुलिस में शिकायत की, लेकिन पुलिस आरोपी को नहीं पकड़ पाई। अब महिला का आरोप है कि चोर ने उनके घर से 15 लाख रुपए के सोने चांदी के गहने चोरी किए हैं, लेकिन पुलिस महज कुछ हजार रुपए की चोरी दर्शाकर मामले को छोटा बना रही है। मामला दुर्ग नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 60 अंतर्गत कातुल बोर्ड का है। यहां रहने वाली माया गुरुम ने स्मृति नगर चौरी में चोरी की शिकायत दर्ज कराई है।

माया का आरोप है कि उनके घर में तीन महीने के अंदर लगातार तीन बार चोरी हो चुकी है। पहली चोरी 21 मार्च 2026 को हुई। शाम 7-8 बजे के बीच चोर उनके घर में घुसे और बाउंड्रीवाल बनाने के लिए घर में रखे 70 हजार रुपए कैश चोरी कर ले गया। इसके बाद उन्होंने अपने भाइयों से मदद लेकर घर में सीसीटीवी कैमरा लगवाया और सोचा की अब चोरी नहीं होगी।

पुलिस ने भी दावा किया था कि चोर जल्द पकड़ा जाएगा। इसके बाद 11 जून को वो अपने मायके गई थीं। वहां से 16 जून को लौटी तो देखा कि घर का ताला टूटा है। चोर घर के अंदर से सोने चांदी के जेवरात, सामान व नगदी सहित करीब 15 लाख रुपए का सामान चोरी कर ले गया था। चोर के हौसले इतने बुलंद थे कि वो जाते जाते सीसीटीवी कैमरा का डीवीआर भी साथ ले गया। दूसरी चोरी की शिकायत में पुलिस में महज कुछ हजार की चोरी दिखाकर मामले को छोटा बनाया और चोर को पकड़ने का दावा करती रही कि 10 दिन भी नहीं बीते और चोर ने उसी घर में तीसरी चोरी 25 जून को करके चोरी की हैट्रिक बना डाली और पुलिस उसका सुराग तक नहीं लगा पाई है।

एसटीएफ बटालियन के पास की घटना

चोर के हौसले इतने बुलंद हैं कि उसे पुलिस का जरा भी खौफ नहीं है। उसने यह चोरी वहां की, जिस घर के आसपास एसटीएफ, प्रथम और सातवीं बटालियन की कॉलोनियां हैं। इतना ही नहीं लगभग 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी यहां पर निवासरत हैं।

केऔसुब के डीआईजी एनएन त्रिपाठी का दिल्ली तबादला

कमांडेंट लवली कुमारी सिंह संभालेंगी प्रभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के मुख्यालय भिलाई के डीआईजी एनएन त्रिपाठी का स्थानांतरण हो गया है। उनका तबादला एनसीआर दिल्ली हेड क्वार्टर में कर दिया गया है। एन एन त्रिपाठी 2009 बैंच के पश्चिम बंगाल कैडर के आईपीएस अधिकारी है तथा वर्तमान समय में सीआईएसएफ में प्रतिनियुक्ति पर डीआईजी के पद पर अपनी सेवा दे रहे हैं। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल भिलाई के डीआईजी श्री त्रिपाठी के स्थान पर बोकारो के पूर्व पुलिस अधीक्षक

डीआईजी के अचानक तबादले को बीएसपी में करोडों रुपए के हुए स्क्रैप चोरी के मामले से जोड़कर देखा जा रहा है। जन प्रतिनिधियों द्वारा लौह सामग्री की चोरी में सीआईएसएफ पर भी लापरवाही का आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच की मांग की जा रही है। सीआईएसएफ भिलाई की उप कमांडेंट निधि सिंह का भी तबादला कोलकाता कर दिया गया है। नए डीआईजी के आने तक सीआईएसएफ भिलाई की कमांडेंट लवली कुमारी सिंह प्रभार संभालेंगी। अचनाक हुए ट्रांसफर से विभाग में खलबली मच गई है।

खबर संक्षेप

नशीली टेबलेट बेचने भेजा गया जेल

भिलाई। नशीली टेबलेट बेचने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नेवई पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर स्टेशन मरौदा निवासी सुजल सिंह शिवपारा शीतला तालाब के पास से नशीली टेबलेट बेच रहा था। पुलिस ने घेराबंदी कर कुल वजन 16.12 ग्राम नशे की दवा जब्त किया। जिसकी कीमत करीब 52 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपी के पास से भारी मात्रा में नशे की दवा को पुलिस ने जब्त किया है।

बाइक चोरी करने वाला पकड़ाया, भेजा जेल

भिलाई। बाइक चोरी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मोहन नगर पुलिस ने बताया कि ओम नगर उरला निवासी हरि साहू की बाइक घर के सामने से पार हो गई थी। शिकायत के बाद पुलिस ने खोजबीन करना शुरु किया। इस दौरान संदेही के आधार पर रामनगर, मुक्तिधाम सुपेला निवासी यशवंत बंजारे को पकड़ा गया। उसके पास से बाइक सीजी 07 बीवाई 5301 जब्त किया गया। जिसकी कीमत 30 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस टीम को मालवीय नगर चौक दुर्ग के पास से युवक को पकड़ा था।

खुर्सीपार क्षेत्र में सड़क बाधा व अतिक्रमण हटाने दी हिदायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र का निरीक्षण कर नवीन हाट बाजार, पानी टंकी, अवैध अतिक्रमण एवं अन्य व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने नवीन हाट बाजार की स्थिति का अवलोकन किया और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। अतिक्रमण कर निवास करने वालों से चर्चा की गई, प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पात्रता अनुसार आवास हेतु आवेदन करने कहा गया है ।वहीं क्षेत्र में पुराने पानी टंकी का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देशित किया, ताकि व्यवस्था सही की जा सके। आयुक्त ने क्षेत्र में मौजूद अवैध अतिक्रमणों का भी जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मार्गों और स्थलों पर अतिक्रमण से आम नागरिकों को परेशानी होती है, इसलिए ऐसे मामलों में प्रभावी कार्रवाई की जाए। रोड बाधित कर निर्माण सामग्री रखने वालों पर चालानी कार्रवाई की गई, जिससे आवागमन व्यवस्थित रहे। साथ ही भवन अनुज्ञा संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने कहा गया है, प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में कार्रवाई होगी। आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि क्षेत्र में नियमित सफाई, कचरा संग्रहण एवं स्वच्छता संबंधी गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

लखनऊ अग्निकांड के बाद जागा विभाग, सिविक सेंटर में दर्जनों कोचिंग हैं संचालित

आठ कोचिंग सेंटर सील

कहीं बाहर निकलने एक ही रास्ता तो कहीं मिली कई खामियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

यूपी के लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आग्निकांड के बाद इस्पात नगरी में भी संचालित कोचिंग सेंटरों में फायर सेफ्टी का जायजा लेने टीम पहुंची। इस दौरान आठ कोचिंग सेंटरों को सील भी किया गया है। जिसमें रामा कोचिंग, कैड एकेडमी मोशन, कोटा स्टडी सर्किल, वेदांतु, स्कॉलर, पॉल सर, एमईडी मेटोर्स शामिल है। जो फायर सेफ्टी के नियमों का पालन नहीं कर रहे थे। यहां बड़ी तादात में कोचिंग सेंटर संचालित है जहां बच्चों की भविष्य से मानों खिलवाड किया जा रहा है। मोटी-मोटी रकम फीस लेकर सुरक्षा के नाम पर कोचिंग सेंटरों में सिर्फ खानापूर्ति के काम किए जाते है। भिलाई-दुर्ग में कोचिंग सेंटर्स की जांच में फायर सेफ्टी की व्यवस्था कई संचालको द्वारा नहीं किया जाता है। इस दौरान यहां के कोचिंग सेंटरों द्वारा सुरक्षा नियमों की भारी अनदेखी किया जाता रहा है। लेकिन निगम, पुलिस समेत जिला प्रशासन घटना होने के बाद ही चेकिंग अभियान चलाती रही है। कोचिंग सेंटरों में एसडीआरएफ, पुलिस ने दबिश देकर सरप्राइज चेकिंग किया। इमरजेंसी एग्जिट (निकास द्वार) और जरूरी सुरक्षा इंतजाम न होने पर यहां के कई कोचिंग सेंटरो को नोटिस भी जारी किया गया है। इन्हें व्यवस्था सुधारने के लिए 24 घंटे का समय दिया गया है।टीम में सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी, एसडीआरएफ और अग्निशमन विभाग कमांडेंट नागेंद्र कुमार सिंह, भिलाई नगर टीआई जितेन्द्र वर्मा आदि मौजूद थे।

जिले में सैकड़ों की संख्या में कोचिंग सेंटर

दुर्ग जिले में करीब 150 से 200 कोचिंग सेंटर्स और ट्यूटोरियल संस्थान संचालित होते हैं। इनमें सबसे ज्यादा कोचिंग सिविक सेंटर भिलाई में संचालित होते है। यहां 100 से अधिक कोचिंग संचालित होने की खबर है। एसडीआरएफ और पुलिस की टीम ने करीब 2 घंटे तक कोचिंग सेंटर्स की जांच में जुटी थी। जांच में एक भी ऐसा कोचिंग सेंटर नहीं मिला, जहां सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किया जा रहा हो। ज्यादातर सेंटर्स में फायर सेफ्टी तक की व्यवस्था नहीं किया है। फायर एक्स्टिंग्विशर एक्सपायर मिले तो कहीं उन्हें सही तरीके से इसे नहीं लगाया लगा था। टीम ने कोचिंग सेंटर्स में इमरजेंसी एग्जिट की भी जांच की, लेकिन किसी भी संस्थान में बाहर निकलने का दूसरा रास्ता नहीं मिला। कई जगह बिल्डिंग के भीतर आने-जाने का केवल एक ही रास्ता था। जांच में कई कोचिंग सेंटरों में फायर सेफ्टी उपकरण, वेंटिलेशन व आपातकालीन निकास की कमी मिली है।

सुरक्षा मानकों का पालन नहीं

कोचिंग सेंटर में पढ़ने पहुंचने वाले छात्र-छात्राओं के जिंदगी से मानों खिलवाड कर रहे है। लखनऊ जैसे अग्निकांड कहीं यहा होने पर सुरक्षा के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति ही है। इसे लेकर जिला प्रशासन न ही नगर निगम इन सिर्फ मेहरबानी होती रही है। जिले अर्से से कोचिंग का संचालन किया जा रहा है। इस्पात नगरी समेत दिगर जिला व राज्यों से पढ़ाई करने कोचिंग में आते है। मगर सुरक्षा मानक यहां पूरी तरह जीरो है। यहां कई जगहों पर सेंटर्स में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या के मुकाबले जगह भी काफी कम पाई गई है। कई ऐसे कोचिंग भी मिले जहां पतली सीढ़ियां बनी थी कि वहां से एक बार में एक ही बच्चा की चढ़ सकता है। कभी नि कोचिंग में कोई बडा हादसा होता है तो छात्रों को उंची बिल्डिंग से कूदना ही एकमात्र विकल्प हो पाएगा।

एनओसी से लेकर फायर एक्सटिंग्विशर भी जरूरी

कोचिंग संचालन में सुरक्षा के उपायों में फायर सेफ्टी, प्राथमिक चिकित्सा सुरक्षित बुनियादी ढांचा, सीसीटीवी निगरानी और छात्राओं के लिए सुरक्षित माहौल शामिल है। अग्नि सुरक्षा और आपातकालीन उपाय फायर एनओसी संस्थान के पास अग्निशमन विभाग से प्राप्त वैद्य अनापत्ति प्रमाण पत्र होना चाहिए। प्रत्येक फ्लोर पर सीओ 2 और फोम वाले फायर एक्सटिंग्विशर लगे होने चाहिए। कोचिंग स्टाफ को भी इनका उपयोग करना आना चाहिए। आपातकालीन निकास में आग या भूकंप जैसी स्थिति के लिए एक से अधिक चौड़े और स्पष्ट रूप से चिन्हित निकास द्वार होने चाहिए। छात्रों और स्टाफ के साथ आपातकालीन निकासी का नियमित अभ्यास (मॉक ड्रिल) किया जाना चाहिए। लेकिन यहां के चोकिंग सेंटरों इस तरह की कोई सुविधा नहीं है।

सील किए गए 8 कोचिंग सेंटर

आठ कोचिंग सेंटरों को सील किया गया है। सभी को नोटिस जारी कर सुरक्षा मानकों को पालन करने के निर्देश भी दिए गए है। अग्नीकांड से निपटने सुरक्षा का पालन अनिवार्य है।

-नागेन्द्र कुमार सिंह, कमांडेंट एसडीआरएफ और अग्निशमन विभाग

35 साल पुराने ब्रिज में जगह-जगह गड्ढे और दरारें... गुजर रहे भारी वाहन

भिलाई। नंदिनी रोड को पावर हाउस होकर टाउनशिप की तरफ सेक्टर-1 से जोड़ने वाला शहर का सबसे पुराना फ्लाई ओवर कंडम हो गया है। करीब 35 साल पुराने इस ब्रिज में जगह-जगह गड्ढे हैं। नियमित सफाई नहीं होने से धूल की मोटी परतें जमी हुई हैं। इतना ही नहीं कई हिस्सों में दरारें आ चुकी हैं। बावजूद इसके भारी वाहन इस ब्रिज से धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। बता दें कि इस पुल से भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बावजूद इसे गंभीरता से नहीं नहीं लिया गया है। न ही मेंटेनेंस को लेकर किसी ने रूचि दिखाई है। पावर हाउस ओवर ब्रिज जो सेक्टर 1 से नंदिनी रोड को जोड़ता है। 24 घंटे वाहनों की आवाजाही इस मार्ग पर बनी रहती है। फ्लाई ओवर एकदम जर्जर हो चुका है। बीच-बीच में गड्ढे हैं। लगे हुए बड़े-बड़े टाइल्स चुके हैं। रात में अंधेरा छाया रहा रहता है, बिजली खंभों की लाइट जलती ही नहीं। कई बार लोग हादसे का शिकार हो चुके हैं। बावजूद इसके अब तक गंभीरता से नहीं लिया गया है।

माल वाहक से 14 कट्टा चॉवल जब्त

भिलाई। सोसायटी के चावल का अवैध परिवहन करने वाले को पुलिस ने वाहन समेत पकड़ा है। इस दौरान खाद्य विभाग के साथ मिलकर कार्रवाई की है। सुपेला पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर राजीव नगर ईमामबाड़ा के पास घेराबंदी कर मालवाहक वाहन सीजी 07 सीवी 2329 को रोका गया। वाहन से सोसायटी का चावल बरामद किया है। पुलिस ने जब वाहन चालक से चावल को लेकर पूछताछ किया तो उसके पास से वैद्य दस्तावेज बरामद नहीं हो पाया। वाहन से 14 कट्टा सोसायटी चावल मिला है। पुलिस ने पांच रास्ता, कॉन्ट्रेक्टर कॉलोनी सुपेला निवासी सन्नी साव को पकड़ा है। पुलिस ने चॉवल और माल वाहक को जब्त किया है।

सस्ता सस्ता सस्ता
न्यु ओम ज्वेलर्स
शादी ब्याह में दुल्हनों के लिए एक से एक सुंदर वेरायटी के गहने उपलब्ध
जितने ग्राम सोना लेने पर उतने ही ग्राम की चांदी बिल्कुल फ्री

916 (22K), 833 (20K), 75 (18K) हॉलमार्क के गहने
अब बिल्कुल सस्ते दामों पर उपलब्ध
आज ही पधारें
सर्टिफाइड राशि रत्न उपलब्ध है
★ 100% गारंटी सोना, चांदी, हीरा
★ टोटल हाल मार्क जेवर
★ स्पेशल पर्स, बैग फ्री
★ रिपेयरिंग फ्री
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग

एग्रीस्टेक पोर्टल में किसान का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास फसल लगाने वाले किसानों को देंगे 15 हजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

इस खरीफ सीजन में धान की जगह अन्य फसल लगाने वाले किसानों को 15 हजार रुपए दिए जाएंगे। दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास की फसल लेने पर प्रति एकड़ की दर से यह राशि सहायता स्वरूप किसानों को मिलेगी। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य के किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने और कृषि क्षेत्र में आधुनिक बदलाव लाने के उद्देश्य से कृषक उन्नति योजना के क्रियान्वयन हेतु नवीन दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इसके लिए किसान का एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन कराया हो। उन्हें एग्रीस्टेक पर पंजीयन तथा डिजिटल क्रॉप सर्वे में रकबे की पुष्टि उपरांत मान्य रकबे पर राशि 15,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से मिलेगी।

पुराने किसानों को 10 हजार रुपए

जो किसान पिछले साल यानी वर्ष 2025 के खरीफ सीजन में लहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास फसल लेने वाले कृषकों को एकीकृत किसान पोर्टल तथा एग्रीस्टेक पर पंजीयन एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे में रकबे की पुष्टि उपरांत मान्य रकबे पर पूर्ववत राशि 10,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

रकबे की पुष्टि डिजिटल क्रॉप सर्वे से

किसानों ने जो फसल लगाई है उसकी रकबे की पुष्टि डिजिटल क्रॉप सर्वे के डेटा से होगी। यदि डेटा उपलब्ध नहीं है,तो जिला कलेक्टर की अनुमति पर गिरदावरी से सत्यापित रकबे पर आदान सहायता राशि दी जाएगी। योजनांर्गत आदान सहायता राशि कृषकों के बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डी.बी.टी.) के माध्यम से की जाएगी।

नया निगम लागू

नए नियम खरीफ वर्ष 2026 से प्रभावी रूप से लागू होंगे। शासन का यह कदम राज्य में पारंपरिक धान की खेती के स्थान पर अन्य लाभकारी खरीफ फसलों को बढ़ावा देने और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक बड़ा नीतिगत निर्णय है।

-संदीप कुमार भोई, उप संचालक कृषि

इस समर्थन मूल्य पर होगी खरीदी

अन्नदाता आय संरक्षण अभियान योजना (पीएम-आशा योजना) के अंतर्गत दलहन तिलहन फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य भी घोषित किया गया है। दलहन एवं तिलहन फसलें अरहर 8000 रुपये प्रति क्विंटल, उड़द 7800 रुपये प्रति क्विंटल, मूंग 8768 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन 5328 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफल्ली 7263 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जाएगी।

पीएम योजना का भी लाभ लें किसान

जिले में प्रधानमंत्री योजना का लाभ भी सभी छोटे, सीमांत एवं बड़े किसानों को मिलेगा। बशर्ते उनकी भूमि का वैध रिकॉर्ड दर्ज हो। पंजीयन के लिए आधार कार्ड, भूमि संबंधी दस्तावेज बी-1, पी-2, डी.बी.टी सक्रिय बैंक खाता पासबुक व चालू मोबाइल नंबर आवश्यक होंगा। किसान फसल प्रविष्टि में संशोधन या एकीकृत पोर्टल में पंजीयन संबंधी जानकारी के लिए अपने निकटतम प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति एवं ग्रामीण कृषि विस्तार से तथा एग्रीस्टेक पर पंजीयन हेतु निकटतम लोक सेवा केन्द्र, से संपर्क कर सकते हैं।

अग्रसेन प्रा. आई.टी.आई
BHILAI | DHANORA
• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)
• FITTER 2 Year (10th Pass)
• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
कुरुद रोड कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93949 • 89595-44444
अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस, ग्राम-धनोरा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93934 • 89595-44444

अमेरिकी सशस्त्र बलों ने भारतीय जहाज के नाविक की हत्या की, विरोध में निकली आक्रोश रैली

स्वदेशी जागरण मंच ने भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▸▸ दुर्ग

स्वदेशी जागरण मंच ने भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की लिए भारत माता की जयकार करते हुए पैदल मार्च निकाला। उन्होंने अमेरिकी सशस्त्र बल के जवानों पर कार्रवाई की मांग की, जिन्होंने भारतीय जहाज के नाविकों की हत्या की। सक्षम अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए गुरुप्रसाद तिवारी जिला संयोजक ने कहा भारतीयों को चिंता बढ़ रही है। ओमान में तीन भारतीय नाविकों की निर्मम हत्या कायराना कृत्य के कारण भारतवासियों गहरा आघात पहुंचा है। दोषियों के विरुद्ध कठोर से कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। प्रांत सह संयोजक दिनेश पाटिल ने कहा इस घटना ने विदेश में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े किए हैं। इसे देखते हुए विदेशों में कार्यरत भारतीय नाविकों एवं नागरिकों की सुरक्षा पूर्णरूप से सुनिश्चित की जाए। तीन भारतीय नाविकों की हत्या के दोषियों को कठोरतम दंड दिया जाए। विदेशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रभावी एवं सुदृढ़ राष्ट्रीय नीति बनाई जाए। भारतीय नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा एवं अधिकारों से जुड़े मामलों में भारत सरकार दृढ़ और प्रभावी कदम उठाए। इस अवसर पर संरक्षक गणेश शंकर देशपांडे, अजय तिवारी, दिनेश पाटिल, दिव्या कलिहारी, संजय चौबे, भिलाई नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, पोषण साहू, बॉबी दास, गुरु प्रसाद तिवारी, मोहन बागुल, दिव्या भसीन, सरोजनी पाणिग्राही, गीतांजलि कौशिक, लक्ष्मण दास, कंचन शुक्ला, संजय डहरवाल आदि मौजूद थे।

खबर संक्षेप

कार्यकर्ता और सहायिका के पदों के लिए दावा आपत्ति 3 जुलाई तक

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 2 के अंतर्गत दो नवीन स्वीकृत आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्वीकृत कार्यकर्ता एवं सहायिका पद तथा दो पूर्व स्वीकृत केन्द्रों में रिक्त आंगनबाड़ी सहायिका के पदों की पूर्ति के संबंध में इच्छुक आवेदिकाओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया था। मूल्यांकन समिति द्वारा परीक्षण उपरांत अनंतिम मूल्यांकन पत्रक नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा में चस्पा कर दिया गया है। आवेदिकाओं को मूल्यांकन पत्रक के संबंध में दावा आपत्ति हो तो पर्याप्त साक्ष्य, प्रमाणित दस्तावेज के सहित 3 जुलाई तक कार्यालयीन समय में नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा रोड मुक्ता टाकिज के पास, में दावा आपत्ति स्वीकार किए जाएंगे।

श्रमिकों के बच्चों को आवासीय स्कूलों में पढ़ने का मौका, आवेदन 3 तक

दुर्ग। श्रम विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों हेतु अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना प्रारंभ किया गया है। अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत श्रमिक परिवारों के बच्चों को गुंणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए है। योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीयन निर्माण श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में पूर्णतः निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। आवेदन की अंतिम तिथि 3 जुलाई निर्धारित की गई है। सहायक श्रमायुक्त कार्यालय दुर्ग से मिली जानकारी अनुसार योजना का लाभ ऐसे निर्माण श्रमिकों की प्रथम दो संतानों को मिलेगा जिनका मंडल मे कम से कम एक वर्ष पूर्व से वैध पंजीयन हो तथा छात्र-छात्रा वर्तमान सत्र में कक्षा 6वीं में प्रवेश ले रहें हों।

एलटीटी स्पेशल ट्रेन आज

दुर्ग। यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 08407 भुवनेश्वर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस के मध्य एक फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। ट्रेन 26 जून को भुवनेश्वर से 23 बजे रवाना होकर 23.35 बजे नाराज मर्थापुर पहुंचेगी। अगले दिन सुबह 10:50 बजे महासमुंद रोड, 12:55 बजे रायपुर, 14:00 बजे दुर्ग, 16.00 बजे गोंदिया, 18.20 बजे नागपुर, 21:30 बजे बडनेरा, 22.28 बजे अकोला होते हुए 28 जून को सुबह 9 बजे एलटीटी पहुंचेगी।

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन 1 के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202606104900014

मामले की श्रेणी:- राजस्व

विषयः- ब-121 सनः- 2025-2026
मर्रा प.ह.न. 00029 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार- जानकी बाई.
अनावेदक पक्षकार - छ.ग.,

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम मर्रा प.ह.नं. 29 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है आवेदिका जानकी बाई आ. राधेश्याम ढीमर निवासी सुरपा तह. पाटन, जिला दुर्ग द्वारा जानकी बाई आ. राधेश्याम ढीमर निवासी सुरपा अपना जन्म दिनांक 04.06.1981 जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है के आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं। अतः उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 16.07.2026 तक इस न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/06/2026 को जारी किया जाता है।

ममता टावरी
अतिरिक्त तहसीलदार, जामगांव (आर)
(मुहर) तह. पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

सेक्टर-1 से शुरू होगा जन समर्थन अभियान

रिटायर बीएसपी कर्मियों की आवासीय समस्या को लेकर बड़े आंदोलन की तैयारी

टाउनशिप में बीएसपी की विभिन्न आवासीय स्कीमों के तहत आवासधारियों पर कस रहे शिकंजे के विरोध में यूनियनों और कांग्रेस ने प्रभावितों को एकजुट करना तेज कर दिया है। प्रबंधन द्वारा आवासों को खाली कराने के नोटिसों से गुस्साए सेवानिवृत्त आवासधारियों के समर्थन से बड़े और लंबे आंदोलन की तैयारी शुरु कर दी गई है। इसके लिए जन समर्थन जुटाने की मुहिम की शुरुआत भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की अगुवाई में इस हफ्ते सेक्टर 1, 2 और 3 से की जाएगी।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

बीएसपी के निजीकरण और रिटायर कर्मियों के लिए वर्षों पूर्व शुरु की गई आवासीय स्कीमों के खत्म करने और भारी किराया वृद्धि के विरुद्ध यूनियनों द्वारा पिछले छह महीने से पुरजोर विरोध किया जा रहा है। बीएसपी प्रबंधन द्वारा पिछले दिसंबर महीने से रिटेंशन स्कीम का 32 गुना किराया वृद्धि के साथ इस स्कीम को ही खत्म कर दिया गया है। वहीं लायसेंसी आवासीय स्कीम के आवंटितों को भी अपना हिसाब कर आवास खाली करने का नोटिस दिया जा रहा है। विधायक के मुताबिक 4 हजार 5 सौ लीज आवासधारियों से भी आवास खाली कराने के लिए प्रबंधन ने तैयारी कर ली है। इस तरह बेघर होने की चिंता से परेशान करीब दस हजार बीएसपी के रिटायर कर्मी आवासधारियों को विधायक देवेंद्र यादव व लीज संघर्ष समिति ने लामबंद करना शुरु कर दिया है। निजीकरण के खिलाफ व भिलाई की बसाहट को यथावत रखे जाने की मांग को लेकर उन्होंने दिसंबर से शुरु किए भिलाई बचाओ अभियान के अगले चरण के तहत बीएसपी व केंद्र सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन की घोषणा की है। लीज संघर्ष समिति व कांग्रेस के बैनर तले टाउनशिप के दस हजार रिटेंशनधारियों सहित विभिन्न प्रभावित आवंटितों के घर घर जाकर सर्वे मुहिम की शुरुआत सप्ताहांत से होगी। लीज समिति के संयोजक राजेंद्र परगनिहा ने बताया कि सेक्टर 1, 2 व 3 में हमने प्रारंभिक जनमत जुटाने की प्रक्रिया शुरु कर दी है। विधायक जल्द समर्थनपत्र लेकर मुहिम का आगाज करेंगे। गौरतलब हो कि विधायक ने पिछले मार्च महीने के अपने पैदल मार्च में इस्पात भवन के सामने डेरा डालकर आंदोलन की चेतावनी दी थी। अब यह आंदोलन सितंबर महीने के अंत में हो सकता है।

विधायक यादव की अगुवाई में समर्थन जुटाने लीज संघर्ष समिति कर रही प्रभावितों को एकजुट

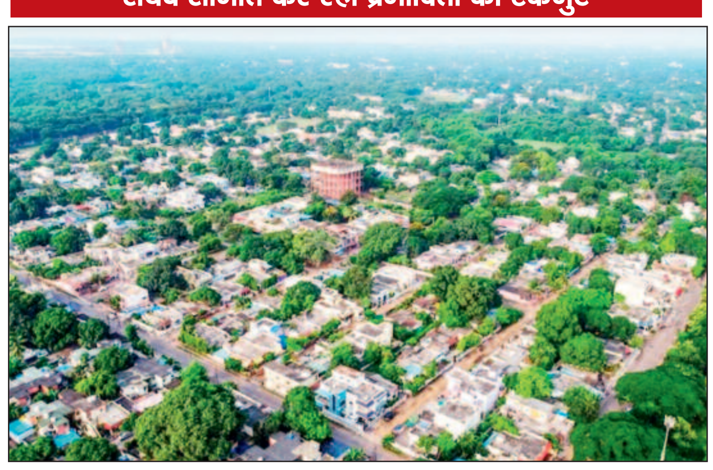

नगर निगम चुनाव में बनेगा बड़ा मुद्दा

रिटेंशन व लायसेंसी आवास संबंधी निजीकरण का मुद्दा दिसंबर में होने वाले भिलाई व रिसाली नगर निगम के चुनाव में बड़ा मुद्दा बनेगा। आवासधारियों के मुताबिक दस हजार प्रभावित आवासधारी हैं और हर घर में तीन से चार वोटर हैं। कांग्रेस व भाजपा नेताओं के इस मुद्दे पर एक साथ आने से बीएसपी व सेल प्रबंधन पर निदान के लिए दबाव बढ़ेगा। मांग पूरी होने पर इसका लाभ दोनों दलों को मिलेगा। राहत नहीं मिलने केंद्र व राज्य में सत्तारुढ़ भाजपा की मुश्किलें बढ़ेंगी। और कांग्रेस इसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाकर टाउनशिप के प्रभावित हजारों लोगों के बीच जाएगी।

एकजुटता से प्रबंधन पर बढ़ेगा दबाव

उल्लेखनीय है कि आवासीय किराया वृद्धि कम करने की मांग को लेकर लीज संघर्ष समिति दिसंबर से विधायक श्री यादव के नेतृत्व में यूनियन प्रमुख राजेंद्र परगनिया के साथ आंदोलन कर रही है। वहीं बीएसपी सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण संघ के अध्यक्ष सुरेशचंद और भाजपा की अगुवाई में भी रिटेंशन धारी अलग से विरोध अभियान छेड़े हुए हैं। रिटेंशनधारी सांसद विजय बघेल व पूर्व केबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय से नियमित संपर्क कर बीएसपी प्रबंधन व दिल्ली स्तर पर रिटेंशन किराया वृद्धि वापस लेने की पुरजोर मांग कर रहे हैं। दोनों नेता कई बार प्रबंधन व केंद्र सरकार स्तर पर चर्चा होने व जल्द राहत का भरोसा भी रिटेंशनधारियों को दिल रहे हैं। इस दौरान दो दिन पूर्व विधायक श्री यादव के इस जनहित की मांग पर दोनों भाजपा नेताओं को शुभकामनाएं देते हुए एक साथ होने का आह्वान किया है। रिटेंशनधारियों के मुताबिक जन हित से जुड़े इस मुद्दे पर दलीय राजनीति से ऊपर उठकर एक साथ आने से निदान के लिए प्रबंधन पर दबाव बढ़ेगा।

टोल फ्री नंबर 1070,112 भी जारी

सचेत, दामिनी और मेघदूत मोबाइल एप से आपदा से पहले मिलेगी सटीक चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ दुर्ग

बदलते मौसम और प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, आकाशीय बिजली गिरने, वनीय आग तथा भीषण लू से नागरिकों की सुरक्षा के लिए विशेष तकनीक आधारित जीवन रक्षक पहल की गई है। भारत सरकार द्वारा आम नागरिकों को आपदाओं की समय पूर्व सटीक चेतावनी और अलर्ट देने के लिए तीन महत्वपूर्ण मोबाइल एप्स सचेत, दामिनी और मेघदूत विकसित किए गए हैं। इन एप्स को नागरिक अपने मोबाइल के गूगल प्ले स्टोर से आसानी से डाउनलोड कर मौसम के खतरों की एडवांस जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही, किसी भी आपातकालीन स्थिति या आपदा के समय त्वरित सहायता और बचाव के लिए शासन द्वारा आपदा टोल फ्री नंबर 1070 और 112 भी जारी किया गया है, जिस पर कॉल करके तुरंत मदद पाई जा सकती है।

- प्राकृतिक आपदाओं को लेकर पहले से जानकारी के लिए भारत सरकार ने किया लॉन्च
- वज्रपात की सटीक लोकेशन बताने वाला दामिनी एप

इस महत्वपूर्ण तकनीक को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन द्वारा आम नागरिकों के साथ-साथ पुलिस, नगर सेना, मैदानी स्तर के शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों, पटवारियों, सरपंचों, सचिवों, शिक्षकों और आशा कार्यकर्ताओं को भी इन ऐप्स के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वज्रपात की सटीक लोकेशन बताने वाले दामिनी एप, मौसम व खेती की जानकारी देने वाले मेघदूत और आपदा अलर्ट देने वाले सचेत ऐप के माध्यम से नागरिक समय रहते सुरक्षित कदम उठा सकते हैं। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं की और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए इन एप्स को अपने मोबाइल में अवश्य डाउनलोड करें और टोल फ्री नंबरों की जानकारी अपने पास रखें।

नगर निगम दुर्ग ने तय किए अलग-अलग स्लैब

संपत्ति कर में 30 जून तक मिलेगी 6 प्रतिशत की छूट

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग ने 30 जून तक टैक्स जमा कर पर 6 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया है। निगम प्रशासन ने नागरिकों से इस सुविधा का लाभ उठाते हुए निर्धारित तिथि के पूर्व अपना कर जमा करने की अपील की है। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि समय पर कर भुगतान से न केवल करदाताओं को आर्थिक लाभ प्राप्त होगा, बल्कि शहर में चल रहे विकास एवं जनसुविधा कार्यों के लिए आवश्यक राजस्व भी उपलब्ध होगा।

निगम द्वारा नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कर भुगतान की प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाया गया है, ताकि करदाता बिना किसी परेशानी के अपना कर जमा कर सकें। नागरिक नगर निगम कार्यालय में उपस्थित होकर नकद (कैश) के माध्यम से कर जमा कर सकते हैं। इसके अलावा यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस सहित विभिन्न डिजिटल माध्यमों से भी भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। करदाता घर बैठे ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी अपना संपत्तिकर जमा कर सकते हैं। 30 जून के बाद 4 प्रतिशत की छूट मिलेगी। यह छूट 30 सितंबर तक मिलेगी। इसके बाद 2 प्रतिशत की छूट अक्टूबर से दिसंबर माह तक मिलेगी। दिसंबर से मार्च तक किसी भी प्रकार की छूट नहीं मिलेगा। 1 अप्रैल के बाद टैक्स जमा कराए जाने पर अधिभार देना होगा।

दो बूंद जिंदगी के...कल से पोलियो की खुराक देने चलेगा अभियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ दुर्ग

देश का भविष्य बचाओ, पोलियो की दवा हर बार पिलाओ के संदेश के साथ राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पल्स पोलियो अभियान की जिले में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अभियान का संचालन कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को 28 जून को निर्धारित बूथों पर तथा 29 एवं 30 जून को घर-घर भ्रमण कर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। निकटतम बूथ की सूची दुर्ग की वेबसाईट में उपलब्ध कराई गई है, जिसका अवलोकन कर बच्चों को पोलियों ड्राप सुगमता से पिलाई जा सकती है। दुर्ग जिले में कुल 257134 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शत-प्रतिशत सफलता हेतु शहरी दुर्ग में 172, शहरी भिलाई 317, धमधा 196, पाटन एवं शहरी चरोदा 232 एवं निकुम में 165 बूथ बनाया गया एवं 13 चलित एवं 25 ट्रांजिट कुल 1029 टीम बनाई गई। जिले के समस्त विकासखण्डों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों की पल्स पोलियो अभियान हेतु प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा सभी जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, इंडियन पिडियाट्रिक एसोसिएशन, नगर पालिक निगम महापौर, सरपंचों, पंचों, वार्ड पार्षदों एवं समस्त जनता से अपील कि गई है कि पिछले चक्रों की भांति ही इस इस अभियान में अपनी भागीदारी अवश्य निभाएं।

कलेक्टर और शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नाबालिग से दुराचार के विरोध में सेन समाज ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ दुर्ग

बिलासपुर के सेंट जेवियर स्कूल में सेन समाज की नाबालिग बालिका के साथ शिक्षक द्वारा किए गए दुराचार के विरोध में दुर्ग जिला सेन समाज ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। समाज के जिला अध्यक्ष भीखम सेन के नेतृत्व में समाज के पदाधिकारियों ने कलेक्टर, एसडीएम और शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय के सामने एकत्र होकर समाज के लोगों ने घटना पर रोष जताया। ज्ञापन में आरोपी शिक्षक को फांसी की सजा देने और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ जांच टीम गठित कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। इस अवसर पर संरक्षक व केश शिल्पी कल्याण बोर्ड छत्तीसगढ़ के पूर्व अध्यक्ष नंदकुमार सेन, प्रदेश सचिव भुवनलाल कौशिक, विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष हरेंद्र उमरे, जिला उपाध्यक्ष बालेश्वर सेन, सचिव मंथीर सेन, सेलून संघ अध्यक्ष संतोष सेन, भिलाई नगर अध्यक्ष नीलकंठ श्रीवास, डॉ. सुमन लाल कौशिक, राजेश सेन, भीम सेन, पूर्व जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सेन, अहिवारा से महेंद्र सेन, भिखू सेन, राजू सेन, हितेश सेन सहित महिला प्रकोष्ठ पदाधिकारी आदि मौजूद थे।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता होंगे वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार

आपातकाल पर निबंध स्पर्धा, 28 को सीएम करेंगे सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिलाई

देश के लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिवस माने जाने वाले 25 जून 1975 को लगाये गये आपातकाल की स्मृति को जीवित रखने तथा नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस तथा 26 जून को आपातकाल स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। लोकतंत्र प्रहरी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने कहा कि 26 जून 1975 से मार्च 1977 तक चल 21 माह के आपातकाल को देश कभी भूल नहीं कर सकता। उस कालखंड में नागरिक स्वतंत्रताओं का हनन किया गया एवं हजारों लोकतंत्र समर्थकों को मीसा अन्य कठोर कानूनों के अंतर्गत जेलों में बंद किया गया तथा प्रेस की स्वतंत्रता पर अभूतपूर्व प्रतिबंध लगाए गए। समाचार पत्रों पर सेंसरशिप लागू कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल दिया गया। उपासने ने बताया कि लोकतंत्र सेनानियों को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 28 जून को प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी आयोजित भव्य सम्मेलन में सम्मानित किया जाएगा साथ ही इस अवसर पर आपातकाल योद्धा संदर्भ ग्रंथ स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा। विशेष आकर्षण यह होगा की लोकतंत्र सेनानी संघ व प्रहरी के संयुक्त तत्वाधान में विद्यालय व कॉलेज स्तर पर प्रदेश स्तर की आपातकाल कभी विस्मृत न हो एवं 25 जून संविधान हत्या दिवस की प्रासनिकता इन विषयों पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

विजेता प्रतिभागी किए जाएंगे पुरस्कृत

उपासने ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा विजयी प्रथम द्वितीय तृतीय चयनित छात्रों को विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर 31000, 21000 व 11000 रुपए नगद पुरस्कार दोनों स्तरों पर मय स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। उसी प्रकार सभी 520 शामिल विद्यार्थियों सहित विद्यालय व महाविद्यालय के प्राचार्य को भी मुख्यमंत्री द्वारा 28 जून को सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष भी इस भव्य आयोजन में प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा लोकतंत्र सेनानियों को निमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया जा रहा है, यह भव्य आयोजन रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में 28 जून रविवार को 11 बजे से आयोजित है। सम्मेलन में संगठन के समस्त पदाधिकारी व प्रबुद्ध वैचारिक संस्थाओं, मंत्रियों विधायकों, निगम आयोग अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में शुभ चिंतकों को भी आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में आपातकाल का काला इतिहास एवं संविधान हत्या दिवस विषय पर प्रबुद्ध वक्ताओं के व्याख्यान भी होंगे तथा इस विषय पर प्रकाशित विशेष स्मारिका आपातकाल योद्धा का विमोचन किया जाएगा।

लर्निंग प्रोग्राम में शामिल हुए भाजपा दुर्ग के प्रतिनिधि

दुर्ग। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत आयोजित डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म प्रशिक्षण कार्यशाला कुशाभाऊ ठाकरे परिसर रायपुर में हुई। इस आयोजन में दुर्ग भाजपा का प्रतिनिधि मंडल भी शामिल हुआ। प्रवक्ता नितेश साहू ने कहा कि डिजिटल युग में सशक्त संगठन ही विकसित भारत की आधारशिला है। भाजपा समय के साथ चलने वाली पार्टी है और वर्तमान समय डिजिटल तकनीक का है, इसलिए संगठन प्रत्येक कार्यकर्ता को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के लिए विशेष प्रयास कर रहा है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को डिजिटल माध्यमों से प्रशिक्षित करना है, ताकि संगठन की विचारधारा, योजनाओं एवं जनसंपर्क अभियानों को अधिक प्रभावी ढंग से आम जनता तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन इस दिशा में विशेष ध्यान दे रहा है और नितिन नवीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद कार्यकर्ताओं में एक नया उत्साह एवं ऊर्जा का संचार हुआ है। अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए।

खबर संक्षेप

सनराइज पब्लिक स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना

अंडा। सनराइज पब्लिक स्कूल, ग्राम अंडा, मिलपरा में '12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' अत्यंत उत्साह और अनुशासन के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों से लेकर शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों ने पूरी ऊर्जा के साथ योग और प्राणायाम का अभ्यास किया।

धनोरा में गुरु पूर्णिमा मनाने तैयारी शुरू

अंडा। बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में हर साल की भांति इस वर्ष भी स्वर्गीय परमानंद कठोलिया की स्मृति में श्रद्धांजलि एवं पुण्य तिथि मनाने का निर्णय लिया गया। दरबार के श्री लक्ष्मण बाबा ने बताया कि इस वर्ष 2 अगस्त रविवार को सुबह दस बजे से रात्रि 9 बजे तक गुरु पूर्णिमा एवं अतिथी स्वागत का कार्यक्रम रखा गया है। जिसमें मुख्य अतिथि पद्मश्री ममता चन्द्राकर फिल्म निर्देशक-निर्माता एवं प्रेम चन्दाकर, विशेष अतिथि दुष्यंत हरमुख रंग झरोखा संस्थान, रिंकी देवांगन लोक गायिका स्वर कोकिला कविता वासनिक, हिमानी वासनिक, कनक साहू, बाल कलाकार लोकगायिका तृषा साहू लोकगायिका एवं टोमन वर्मा जस जगराता गायक का आगमन होगा। शाम 5 बजे से हिमानी वासनिक के मंडली द्वारा भरथरी का आयोजन एवं शाम 4 बजे से प्रसाद खिचड़ी वितरण किया जाएगा।

संकुल स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव मना

अण्डा। नए शिक्षा सत्र 2026-27 के शुभारंभ पर संकुल केंद्र अण्डा अंतर्गत संकुल स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन शासकीय प्राथमिक शाला गांधीभांठा अण्डा में हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी बच्चों का उत्साहपूर्वक स्वागत कर शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजीत चन्द्राकर (सदस्य जनपद पंचायत दुर्ग) रहे, जबकि अध्यक्षता सीमा जाम्बुलकर (संकुल प्राचार्य) ने की। विशिष्ट अतिथियों में बेला यादव (सदस्य जनपद पंचायत दुर्ग), दिग्विजय सिन्हा (सरपंच, ग्राम पंचायत अण्डा), यशवंत बंजारे (उपसरपंच), सेवानिवृत प्रचार्य डी. पी. चन्द्राकर सहित कई जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद् एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

निधन

सरदार लखविंदर सिंह

दुर्ग। कसारीडीह चौक निवासी

सरदार लखविंदर सिंह 70 वर्ष का गुरुवार की सुबह निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 26 जून शुक्रवार को सुबह 11.30 बजे हरनाबांधा मुक्तिधाम शंकरनगर में किया जाएगा। वे ट्रांसपोर्टर भूपेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह के बड़े भाई और रिमपाल सिंह, जसपाल सिंह के पिता थे।

ताराचंद निर्मलकर

भिलाई। सेक्टर 1 निवासी ताराचंद निर्मलकर उम्र 54 वर्ष का

आकस्मिक निधन गुरुवार को हो गया। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार 26 जून को रामनगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। अंतिम यात्रा निवास स्थान से दोपहर 12 बजे निकलेगी। वे जीआर निर्मलकर के पुत्र, मोनिका के पति, वैभव व वंशिका के पिता और हीरालाल, ईश्वर लाल, मानिक लाल व कृष्ण कुमार के भाई थे। मैट्स यूनिवर्सिटी रायपुर में स्पोर्टस ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे।

कार्रवाई शून्य, अपराधियों के हौसले बुलंद

देमार-अरसनारा मार्ग पर धड़ल्ले से हो रही पेड़ों की अवैध कटाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶|पाटन

लगातार जारी है अवैध कटाई, विभागीय अंकुश नदारद

दुर्ग-पाटन मुख्य मार्ग पर देमार से अरसनारा के मध्य स्थित मंदिर के पास बड़े पैमाने पर पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आया है। क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि खुलेआम पेड़ काटे जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों द्वारा अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है।

गौरतलब है कि इसी क्षेत्र में कुछ दिन पहले एक खेत में लगे कौहा के पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आया था, जिस पर राजस्व विभाग ने प्रकरण दर्ज किया था। इसके बावजूद अवैध कटाई में लगे लोगों के हौसले बुलंद हैं और पेड़ों की कटाई का सिलसिला लगातार जारी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर कटाई की जा रही है, वह मुख्य मार्ग के किनारे स्थित है। इसी मार्ग से प्रतिदिन एसडीएम, तहसीलदार, वन विभाग सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों का आवागमन होता है। इसके बावजूद अवैध कटाई पर रोक नहीं लग पाना कई सवाल खड़े कर रहा है।

पर्यावरण प्रेमियों और ग्रामीणों ने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते रोक नहीं लगाई गई तो क्षेत्र में हरियाली को भारी नुकसान पहुंचेगा और पर्यावरण पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। तेज गर्मी से लोग हलकान हो रही है और इधर अवैध पेड़ो की कटाई कोचियो के माध्यम से कर रही है। अधिकारियों के उदासीन रवैये से कोचियों के हौसले बुलंद है। आरोप है कि पाटन की आरा मिलो में अवैध लकड़ी की आपूर्ति की जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और वन विभाग से तत्काल मौके का निरीक्षण कर अवैध कटाई पर रोक लगाने तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

> **कार्रवाई कर रहे हैं**
>
> "हमारी टीम निरंतर कार्रवाई कर रही है अगर सूचना मिलती है तो हमारी टीम मौके पर जाकर तुरंत कार्रवाई कर रही है।
>
> **डीपी वर्मा,** रेंजर दुर्ग

निर्बाध बिजली आपूर्ति, त्वरित शिकायत निवारण और उपभोक्ताओं से विनम्र व्यवहार के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶|दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने गुरुवार को अपने निवास स्थान पर दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र एवं रिसाली नगर निगम क्षेत्र के विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में निर्बाध एवं सुचारु विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करना तथा आम नागरिकों को हो रही समस्याओं का त्वरित समाधान करना रहा।

- विधायक ललित ने विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

बैठक में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो विधायक चंद्राकर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि दुर्ग ग्रामीण एवं रिसाली नगर निगम क्षेत्र के किसी भी गांव या वार्ड में अघोषित बिजली कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ट्रांसफार्मर खराब होने, तार टूटने या मेंटेनेंस की स्थिति में तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कर उपभोक्ताओं को पूर्व सूचना दी जाए। मानसून पूर्व सभी जर्जर तारों, खंभों एवं ट्रांसफार्मरों का मरम्मत कार्य प्राथमिकता से पूरा किया जाए। आम नागरिक जब बिजली संबंधी शिकायत के लिए फोन करे तो अधिकारी-कर्मचारी का तुरंत जवाब देना अनिवार्य है। कॉल रिसीव न करने या टाल-मटोल करने की शिकायत मिलने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। 24x7 हेल्पलाइन को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा प्रत्येक शिकायत का रजिस्टर में इंद्राज कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। विद्युत विभाग के सभी अधिकारी एवं फील्ड कर्मचारी प्रत्येक उपभोक्ता के साथ विनम्र, शालीन एवं सम्मानजनक व्यवहार करें। बिल संबंधी भ्रम, मीटर रीडिंग या अन्य समस्या लेकर आने वाले नागरिकों को संतोषजनक जवाब दिया जाए।

फील्ड में सक्रियता बढ़ाई जाए

कनिष्ठ अभियंता एवं लाइन स्टाफ नियमित रूप से अपने क्षेत्र का भ्रमण करें। गांवों में चौपाल लगाकर लोगों की समस्याएं सुनें और मौके पर ही समाधान का प्रयास करें। ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि का प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किया जाए। विधायक ललित चंद्राकर बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बिजली आज की सबसे बुनियादी आवश्यकता है। किसान, विद्यार्थी, व्यापारी, गृहणी - सभी का जीवन बिजली से जुड़ा है। एक-एक मिनट की कटौती से जनता को परेशानी होती है। जनता की सुविधा, विश्वास और संतुष्टि ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सरकार की मंशा के अनुरूप अंतिम छोर के व्यक्ति तक निर्बाध बिजली पहुंचे। उन्होंने आगे कहा कि शिकायत मिलने पर यह नहीं कहना कि 'ऊपर से लाइट बंद है'। समस्या का वास्तविक कारण बताकर समाधान की समय-सीमा बताएं। पारदर्शिता से ही जनता का विश्वास जीता जा सकता है। बैठक में उपस्थित अधिकारी बैठक में विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता सहित दुर्ग ग्रामीण एवं रिसाली क्षेत्र के सभी जोन प्रभारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विधायक को आश्वस्त किया कि दिए गए सभी निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाएगा।

बिजनेस साइट

अतुल ऑटो में हर ऑटो की खरीदी पर एलईडी टीवी उपहार

भिलाई। शहर के व्यापारियों, ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों और यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अब भिलाई में भी अतुल ऑटो के आधुनिक और दमदार कमर्शियल वाहन उपलब्ध हो गए हैं। सुपेला रोड स्थित गीता मोटर्स को अतुल ऑटो का अधिकृत विक्रेता बनाया गया है, जहां डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक मॉडल्स की विस्तृत रेंज ग्राहकों के लिए पेश की जा रही है। गीता मोटर्स द्वारा लॉन्च किए गए इन वाहनों में इलेक्ट्रिक और पारंपरिक दोनों प्रकार के मॉडल शामिल हैं, जो व्यापार को नई ऊंचाइयां देने में सक्षम बताए जा रहे हैं। कंपनी ने बढ़ती ईंधन कीमतों और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों पर विशेष फोकस किया है। कंपनी के अनुसार यह वाहन लगभग 207 किलोमीटर तक का इंटरसिटी माइलेज देने में सक्षम है। साथ ही इसकी बैटरी केवल 6 घंटे में 0 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। अतुल ऑटो में हर ऑटो की खरीदी पर एलईडी टीवी उपहार स्वरूप दिया जाएगा। वाहन में ड्राइवर और यात्रियों के लिए अधिक स्पेस दिया गया है, जिससे सफर आरामदायक बनता है। गीता मोटर्स में कार्गो और सवारी दोनों प्रकार की गाड़ियां उपलब्ध हैं। इनमें अतुल जेमी, अतुल शक्ति डीजल कार्गो, अतुल रिक प्लस, अतुल स्मार्ट कार्गो सीएनजी और अतुल जेम जैसे मॉडल शामिल हैं। कंपनी ने अपने वाहनों में 435 सीसी एयर कूल इंजन का विकल्प भी उपलब्ध कराया है। साथ ही पुली वाले साधारण इंजन में भी वाहन उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है। व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि अतुल के इन वाहनों की उपलब्धता से भिलाई और आसपास के क्षेत्रों में छोटे और मध्यम व्यापारियों को काफी फायदा मिलेगा। इच्छुक ग्राहक गीता मोटर्स, लक्ष्मी मार्केट के सामने, सुपेला रोड, भिलाई में संपर्क कर सकते हैं।

जयंत फर्नीचर में जीरो डाउन पेमेंट पर सामान उपलब्ध

दुर्ग। इंदिरा मार्केट पार्किंग के पास अग्रवाल मिष्ठान भंडार के आगे संचालित जयंत फर्नीचर इंटरप्राइजेस एंड मोबाइल का नया ब्रांच नवाब प्लाजा मान होटल चौक इंदिरा मार्केट दुर्ग में संचालित है। जयंत फर्नीचर के संचालक ने बताया कि यहां सभी सामान में सभी प्रकार के फाइनेंस सुविधा जीरो प्रतिशत डाउनपेमेंट में उपलब्ध है। शादी विवाह के लिए विशेष पैकेज उपलब्ध है। विभिन्न फाइनेंस कंपनियों और बैंकों के द्वारा आसान किस्तों में सामान उपलब्ध कराया जाता है। जयंत फर्नीचर इंटर प्राइजेस एंड मोबाइल में सभी प्रकार के फर्नीचर, सोफा, पलंग, दीवान, डायनिंग टेबल सेट आदि सहित इलेक्ट्रानिक सामान में मोबाइल में सभी कंपनियों के सभी रेंज के मोबाइल उपलब्ध है। इसके अलावा फ्रीज, वाशिंग मशीन, स्मार्ट टीवी, एलईडी टीवी, एसी, कुलर आदि का विशाल रेंज उपलब्ध है।

मोदीकेयर बिजनेस रोजगार का बेहतरीन अवसर

भिलाई। मोदीकेयर बिजनेस रोजगार का बेहतरीन अवसर है। भिलाई में पासपोर्ट के लिए जाने पहचाने श्रीकांत जैन ने बताया कि लोग पिछले 2-3 वर्षों से बढ़ती मंहगाई और बेरोजगारी से परेशान है। कुछ न कुछ करना चाहते है और बहुत से लोग अतिरिक्त आय का साधन भी तलाश रहे है। ऐसे में मोदीकेयर बिज़नेस एक बेहतरीन अवसर है। हम सभी कहीं न कहीं से अपनी रोज की जरुरत का सामान खरीद कर ला रहे है, आपको कुछ नहीं करना है बस अपनी दुकान बदलनी है और आपके घर खर्च पर 30 से 50 प्रतिशत की बचत व फायदा शुरू हो जाएगा। फ्री रजिस्ट्रेशन होने के बाद अगर आप लगभग 3000-3500 की खरीदारी करते है तो आपको सभी सामान पर 20 से 25% की छूट के साथ 10 से 15% का फ्री गिफ्ट तुरंत प्राप्त होगा। आपके बैंक खाते पर 2 से 6% कैश बेक आएगा और 6 महीने लगातार खरीदारी करने पर सातवें महीने आपके औसत खरीदारी का एक महीने का सामान फ्री मिलेगा याने 17% और 12 महीने लगातार खरीदारी करने पर तेरहवें महीने दो महीने का सामान फ्री मिलेगा याने 25%। इस तरह से आपको लगभग 60% की बचत व फायदा हो जाएगा। अधिक जानकारी के लिये आप हमारे सड़क 20 स्मृति नगर भिलाई स्थित ऑफिस मोदीकेयर डीपी स्टोर परसंपर्क कर सकते है।

सुमित ऑटो में इलेक्ट्रिक ई-रिक्शा व लोडर पर आकर्षक ऑफर

दुर्ग। सुमित ऑटो द्वारा इलेक्ट्रिक ई-रिक्शा एवं लोडर वाहनों की बिक्री, सर्विस एवं पार्ट्स की सुविधा ग्राहकों को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। संस्था के संचालक शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि सुमित ऑटो भिलाई-दुर्ग का विश्वसनीय शोरूम है, जहां ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रिक वाहन उचित मूल्य पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक बार चार्ज करने पर वाहन लगभग 150 किलोमीटर तक चलने में सक्षम हैं। वाहनों में हैवी कंट्रोलर एवं मोटर, लिथियम और ट्रोनेटेक बैटरी जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। कंपनी द्वारा सभी मॉडलों पर 3 वर्ष की वारंटी भी प्रदान की जा रही है। शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि वाहन जिंदल स्टील के मजबूत लोहे से निर्मित हैं तथा इनमें सीईटी टायर एवं थ्री लेयर पाउडर कोटेड बॉडी का उपयोग किया गया है। मॉडल के अनुसार वाहनों का माइलेज 100 से 200 किलोमीटर तक है और बाजार की तुलना में 10 से 20 हजार रुपये तक की बचत भी ग्राहकों को मिल रही है।उन्होंने यह भी बताया कि मजदूर कार्डधारी महिलाओं के लिए शासकीय योजना के तहत डेढ़ लाख रुपये तक की सब्सिडी का लाभ उपलब्ध है। सुमित ऑटो की शाखाएं स्मृति नगर रोड, काली मंदिर के पास जुनवानीरोड, कातुलबोर्ड-दुर्ग जहां बिक्री के साथ सर्विस और स्पेयर पार्ट्स की भी बेहतर सुविधा उपलब्ध है।

मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई भाजपा ने

हरिभूमि न्यूज ▶▶|सेलूद

भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पाटन मंडल भाजपा के अंतर्गत घुघुवा शक्ति केंद्र में मनाई गई। इस अवसर पर शक्ति केंद्र प्रभारी हर प्रसाद आडिल, कोमल साहू, बूथ अध्यक्ष विनोद चंद्राकर, अंकित आदिल, अशोक वर्मा, प्रशांत शर्मा, गणेशा राम कुर्रे, शक्ति केंद्र सहसंयोजक मनोहर लाल साहू, विद्यासागर निषाद, युवा मोर्चा मंडल मंत्री अमोल दास टंडन और थानेश्वर साहू सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता जन उपस्थित उपस्थित थे।

- क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर दी गई श्रद्धांजलि

शक्ति केंद्र सेलूद में मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

सेलूद। शक्ति केंद्र सेलूद में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। कार्यक्रम में संयोजक महेश्वर बन्छोर, पूर्व सरपंच खेमिन साहू, प्राधिकृत अध्यक्ष टामन साहू, पूर्व संयोजक रमेश देवांगन, बूथ अध्यक्ष अशोक यादव, पंच सुनीता ठाकुर, लक्ष्मण वर्मा, दिनेश बरहरे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुखर्जी को याद किया

ओखरा (मुरमुन्दा)। भारतीय जनता पार्टी मुरमुंदा मंडल जिला भिलाई ने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई। इस दौरान मुख्य वक्ता भाजपा भिलाई जिला मंत्री मनोज तिवारी, मंडल अध्यक्ष कुमन लाल साहू, महामंत्री रामायण द्विवेदी, भोजराज साहू, जिला विशेष आमंत्रित सदस्य प्रेम लाल साहू और पूर्व जिला कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण कुमार खेलवार सहित अन्य मौजूद थे।

356 ग्रामीणों को मिलेगी पक्के आवास की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶|निकुम

ग्राम पंचायत निकुम में गुरुवार 24 जून को हुई विशेष ग्राम सभा में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण से तैयार अंतिम प्राथमिकता सूची पर निर्णय लिया गया। सरपंच भागवत पटेल ने बताया कि सर्वेक्षण के आधार पर तैयार सूची को ग्राम सभा में सार्वजनिक रूप से पढ़कर सुनाया गया। जिसमें 356 ग्रामीणों को पक्के आवास की सौगात मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास प्लस 2.0 की यह प्रक्रिया केवल हितग्राही चयन तक सीमित नहीं है, बल्कि पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और जनभागीदारी आधारित सुशासन को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन बड़ी संख्या में रहे।

न्यायालय नायब तहसीलदार भिलाई-3 के न्यायालय में मामला

क्रमांक: 202606103900013

मामले की श्रेणी:- राजस्व

विषय:- अ-74 सन:- 2025-2026

उरला प.ह.न. 00008 [(हे0)]

पक्षकारों का विवरण-आवेदक पक्षकार भगवन सिंह.

अनावेदक पक्षकार - छत्तीसगढ़ शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है की आवेदक भगवन सिंह पिता-मत्तू निवासी -उरला तह. भिलाई-3 जिला-दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा मौजा ग्राम उरला पह.नं.08 रा.नि.म.चरोदा तह. भिलाई-3 जिला-दुर्ग (छ.ग.) में स्थित दर्ज भूमि खसरा नं.491/1, 498/3, 1064, 1191, 1355/4 रकबा 0.2100, 0.3200, 0.400, 0.2800, 0.3300 हेक्टे० भूमि का मूल ऋण पुस्तिका गूम हो जाने के कारण आवेदक द्वारा उक्त भूमि का द्वितीय (डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका बनवाने बाबत आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। प्रकरण दर्ज । उद्घोषणा जारी हो। पटवारी से रिपोर्ट लिया जावे। अतः उक्त प्रकरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर लिखित रूप में इस न्यायालय में नियत दिनांक 08.07.2026 तक दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 18/06/2026 को जारी किया जाता है।

कुदंन लाल शर्मा
नायब तहसीलदार, पाटन-2
तहसील पाटन

आपके शहर पाटन में सेल्स सर्विस व स्पेयर्स सुविधायुक्त

श्री होंडा
शिवाजी कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग-पाटन रोड, पाटन जिला - दुर्ग (छ.ग.)
मो.: 9303061650
9203304122

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेजर मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल
मैटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल

उपलब्ध सुविधाएँ
- गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श नार्मल एवं सीजेरियन डिलीवरी
- एवं बच्चेदानी का ऑपरेशन व नसबंदी
- सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT
- बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसील, सरकम सीजन की सुविधा
- आयुष्मान कार्ड और CSEB से कैशलेस उपचार,
- TPA की सुविधा

डॉ. सी.पी.सिंह
(एमबीबीएस, एमडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीलिमा सिंह
(एमबीबीएस, डी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
संपर्क करें
9009553889, 9090204620
एकता नगर, अम्बेडकर चौक के पास, गुढ़ियारी रायपुर
ब्रांच : मातृ स्मृति मंगल बाजार, गायत्री मंदिर के सामने, गुढ़ियारी, रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को किया सम्मानित

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा सेक्टर-10 स्थित सीनियर सेकंडरी स्कूल में अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) के विद्यार्थियों द्वारा सौंपे गए प्रोजेक्ट के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक शिक्षा शिखा दुबे थीं। इस अवसर पर जीएम प्रभारी (जनसंपर्क) अमूल्य प्रियदर्शी, डीजीएम अपर्णा चंद्रा, जवाहर बाजपेयी तथा उप प्रबंधक शालिनी चौरसिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। अटल टिंकरिंग लैब के पूर्व सदस्य और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के लिए चयनित नेत्रांश साहू तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई में चयनित कुणाल देवांगन ने अनुभव साझा किए। बताया कि एटीएल ने उनकी रचनात्मक सोच, तकनीकी कौशल तथा आत्मविश्वास के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एटीएल के मेंटर एवं वरिष्ठ व्याख्याता तरुण कुमार साहू ने विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्राप्त उपलब्धियों की जानकारी दी। शिखा दुबे व अमूल्य प्रियदर्शी ने विद्यार्थियों की हौसलाआफजाई करते हुए उन्हें नवाचार एवं उत्कृष्टता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

चिंता : बारिश नहीं होने से जलाशयों का घट रहा जल भराव

तांदुला 24.20, गोंदली 23.90, खरखरा 12 और मटियामोती जलाशय में 5.50 फीट पानी

इस बार बारिश कम होने का पूर्वानुमान से जलाशयों की स्थिति हो सकती है चिंताजनक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

इस मानसून सीजन में अब तक बारिश नहीं होने की वजह से जलाशयों का स्तर भी घटता जा रहा है।तांदुला जलाशय में 24.20, गोंदली जलाशय में 23.90, खरखरा जलाशय में 12 और मटियामोती जलाशय में 5.50 फीट पानी है। पिछले डेढ़ महीने में ही गोंदली जलाशय का जलस्तर 20 प्रतिशत, मटियामोती जलाशय का 16 प्रतिशत , तांदुला जलाशय का 3 प्रतिशत और खरखरा जलाशय का 14 प्रतिशत कम हुआ है।निस्तारी के लिए तालाबों को भरने जलाशयों से पानी छोड़े जाने के बाद जलभराव कम हुआ है। पिछले साल प्री मानसून से पहले मई में ही अच्छी बारिश शुरू हो गई थी। जुलाई महीने तक मानसूनी सीजन का 30 प्रतिशत बारिश हो चुकी थी। इस बार शुरूआत नहीं हुई है। वहीं मौसम विभाग ने मानसूनी सिस्टम के लौटने के बाद छत्तीसगढ़ में कम बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। इस स्थिति में इस बार जलाशयों में जलभराव की स्थिति चिंताजनक हो सकती है।

चारों जलाशयों में 65.60 फीट जलभराव

विभागीय जानकारी के मुताबिक चारों जलाशयों में वर्तमान में 65.60 फीट जलभराव है। बीएसपी सहित चार जिले बालोद, दुर्ग, बेमेतरा, राजनांदगांव के लिए महत्वपूर्ण चार जलाशय में वर्तमान में 65.60 फीट पानी भरा है।चारों जलाशयों की कुल जलभराव क्षमता 123.30 फीट है। इस हिसाब से 57.70 फीट कम पानी हैं। एक महीने पहले इन जलाशयों में 70.54 फीट पानी भरा था। यानी एक महीने में ही जलस्तर 4.94 फीट कम हुआ हैं।

वर्षा नहीं होने से पानी की खपत ज्यादा

प्री मानसून की शुरूआत नहीं होने की वजह से भीषण गर्मी के हालात से गुजरना पड़ रहा है। । हर घरों , प्राइवेट व सरकारी दफ्तरों में बिना कूलर के काम नहीं चल रहा। हैंडपंपों का जलस्तर इतना नीचे चला गया है कि पानी ही नहीं निकल रहा। मौजूदास्थिति में पानी की खपत काफी ज्यादा हो रही हैं।

खरीफ सीजन में जलाशयों पर निर्भरता

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक चारों जलाशयों में वर्तमान में स्थिति अच्छी है लेकिन आने वाले दिनों में बारिश अच्छी नहीं हुई तो यहां जलभराव पर प्रभाव पड़ेगा। जलभराव अच्छी होने पर ही किसानों को इस खरीफ सीजन के आखरी समय में पानी देना मुश्किल हो जाएगा। हर साल इन जलाशयों से दुर्ग बालोद राजनांदगांव और कबीरधाम जिले में धान की फसल पकाने के लिए पानी छोड़ा जाता है। इसके अलावा गर्मी में तालाबों को निस्तारी के लिए भरा जाता है। बीएसपी व दुर्ग - भिलाई निगम को पूरे सालभर पेयजल के लिए पानी मिलता है।

पिछले साल से 54.40 फीट पानी कम

विभाग के मुताबिक चारों जलाशयों में दिसंबर 2025 में 120 फीट पानी भरा था। वर्तमान जलभराव को देखें तो पिछले 7 महीने के दौरान इन चारों जलाशयों का का जलस्तर 54.40 फीट कम हो चुका है। वर्तमान में तांदुला जलाशय में 24.20 फीट, गोंदली जलाशय में 23.90 फीट, खरखरा जलाशय में 12 फीट और मटियामोती जलाशय में 5.50 फीट पानी भरा है।

खरखरा में क्षमता से 18 फीट कम पानी

वर्तमान में खरखरा जलाशय में निर्धारित जलभराव क्षमता से 18 फीट कम पानी है। यहां की कुल जलभराव क्षमता 30 फीट हैं। तांदुला जलाशय की कुल जलभराव क्षमता 38.50 फीट, गोंदली जलाशय की 34.10 फीट और मटियामोती जलाशय की 20.70 फीट है। खरखरा जलाशय और मटियामोती जलाशय से पेयजल के लिए भी दुर्ग नगर निगम राजनांदगांव जिले की डिमांड अनुसार पानी दिया जा रहा । इस तरह से तांदुला, गोंदली की तुलना में दोनों जलाशयों का जलस्तर ज्यादा घट रहा हैं।

तांदुला में 131 एमसीएम पानी उपलब्ध

तांदुला जलाशय में वर्तमान में 131.53 एमसीएम पानी भरा हुआ है। गोंदली जलाशय में 48.47 एमसीएम पानी भरा है। खरखरा जलाशय में 38.56 एमसीएम पानी भरा है। खरखरा जलाशय की तुलना में तांदुला में तीन गुना ज्यादा पानी हैं। मटियामोती जलाशय में वर्तमान में 3.72 एमसीएम पानी भरा है। पिछले साल की तुलना में सभी बांध में न्यूनतम 0.15 से 94 एमसीएम ज्यादा पानी भरा हैं।

भिलाई निगम की फिर एक सड़क चढ़ रही घटिया निर्माण की भेंट

मनमाने तरीके से चल रहा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

भिलाई नगर निगम द्वारा लाखों रुपए की लागत से बनाई जा रही एक सड़क फिर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। वार्ड के पार्षद ने गुणवत्ताहीन कार्य को लेकर निगम आयुक्त को लिखित शिकायत की, लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी न तो किसी अधिकारी ने इसकी जांच की, न कोई कार्रवाई, उल्टा ठेकेदार बिना इंजीनियर की निगरानी के खुलेआम घटिया निर्माण कर रहा है। इतना ही नहीं उसके द्वारा सुरक्षा मानको का भी ध्यान नहीं रखा जा रही है।

भिलाई नगर निगम के जोन 2 अंतर्गात वार्ड 25 में कालीबाड़ी चौक से ज्योतिबा फूले चौक तक 15वें वित्त आयोग मद से सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। यहां ठेकेदार द्वारा सड़क चौड़ीकरण के साथ डिवाइडर में साइड पोल रेलिंग लगाना है। उनके द्वारा इतना गुणवत्ताहीन कार्य किया जा रहा है कि निर्माण कार्य अभी पूरा भी नहीं हुआ है और कंक्रीट की सड़क उखड़ना शुरू हो गई है। हत यह है कि शिकायत के बाद भी निगम के अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। यहां के भाजपा पार्षद नोहर वर्मा ने बताया कि मोहल्ले के कई लोगों ने उनसे घटिया निर्माण को लेकर शिकायत की। इसके बाद उन्होंने 24 फरवरी 2026 को मामले की लिखित शिकायत निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय से की थी। शिकायत किए कई महीने बीत गए, लेकिन अब तक न तो सड़क की गुणवत्ता की कोई जांच हुई और न किसी अधिकारी ने उन्हें यह बताया कि वो जांच के लिए आए या नहीं।

बिना इंजीनियर की देखरेख के चल रहा निर्माण

पार्षद वर्मा का आरोप है कि कालीबाड़ी से ओम शांति चौक तक की सड़क काफी व्यस्त सड़क हो गई है। इसीको देखते हुए इसका चौड़करण किया जा रहा है। इतना महत्वपूर्ण सड़क होने के बाद भी निगम का एक भी इंजीनियर यह देखने नहीं आता कि निर्माण मानक के मुताबिक चल रहा है या नहीं। ठेकेदार अपनी मर्जी से मनमाने तरीके से निर्माण कर रहा है।

- पार्षद की शिकायत के बाद भी कोई जांच न कार्रवाई

सुरक्षा मानकों का पालन नहीं

निर्माण के दौरान ठेकेदार को सड़क ब्लॉक करने के लिए प्रॉपर बेरीकेट्स लगाना चाहिए। कार्य प्रगति है का बोर्ड लगाना चाहिए। रेडियम पट्टी लगाकर बोरी व रस्सी से रास्ता डायवर्ट करना चाहिए, लेकिन उसके द्वारा ऐसा कुछ नहीं किया गया है। ठेकेदार अभिलेख पाण्डेय से जब बात की गई तो उनका कहना है कि निर्माण अब चल रहा है। जो सड़क खराब होगी या कहीं कुछ कमी होगी तो लास्ट में उसे रिपेयर कर दिया जाएगा।

पदोन्नति को लेकर जेडी को शिक्षकों ने दिया ज्ञापन, कोर्ट के निर्णय पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

टीईटी उत्तीर्ण शिक्षक साझा मंच द्वारा संयुक्त संचालक को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि शिक्षकों की पदोन्नति में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का पालन किया जाए। 1.04.2026 की स्थिति में वरिष्ठता सूची का प्रकाशन हो तथा वरिष्ठता सूची में टीईटी पेपर-1/पेपर-2 उत्तीर्ण/वर्ष का कालम अनिवार्य रूप से जोड़ा जाये। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने टीईटी मामले की सुनवाई करते हुए 1.09.2025 को अपने निर्णय में कहा है कि पद में बने रहने व पदोन्नति के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी उत्तीण होना अनिवार्य है। अतः सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का पालन करते हुए शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा में वरिष्ठता सूची जारी करते हुए पदोन्नति प्रदान करने की मांग संयुक्त संचालक से की है।

- टीईटी उत्तीर्ण शिक्षक साझा मंच ने की मांग

जस्टिस दीपांकर दत्ता सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने निर्णय में कहा है कि शिक्षा गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता तथा विशेषज्ञों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से आने वाले समय में टीईटी की अनिवार्यता से बचना मुश्किल होगा। ज्ञापन सौंपने वालो ने दुर्ग संभाग के शिक्षकगण उपस्थित रहे। शिक्षक चेमन साहू, नागेन्द्र साहू, अगनू राम साहू, लूकेश कौशिक, बलराम बघेल, दौलत कुमार साहू, नदिम खान, जितेन्द्र कुमार दहाट, कामता साहू, पर्वत साहू, उत्तम ठाकुर, नारायण प्रसाद देवांगन, हेमनाथ गौआर्य, होसलाल खांडे, नरेन्द्र देवांगन, नेमीचंद टण्डन, चेमन कुमार जंघेल आदि उपस्थित थे।

पचपन आवासहीन परिवारों को मिला आशियाना, लॉटरी से हुआ आवास आवंटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा मकानहीन परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए गुरूवार को निगम सभागार में लॉटरी पद्धति के माध्यम से 55 हितग्राहियों को आवास आबंटित किए गए। सभी आवास मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी घटक से निर्मित है। आवास आबंटन कार्यक्रम में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा एवं पार्षद हरिओम तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

- विधायक रिकेश सेन की उपस्थिति में आवास आवंटन

निगम सभागार में लॉटरी प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई गई, जिसमें विभिन्न आवासीय परियोजनाओं के तहत कुल 55 मकानहीन परिवारों को आवास आबंटित किए गए। इनमें ग्रीन वैली खम्हरिया में 20, माइल स्टोन स्कूल के पीछे स्थित आवासों में 17, रजत बिल्डर्स शांति नगर में 3, आम्रपाली हाउसिंग बोर्ड फेस-01 में 2 तथा सूर्य विहार के पीछे स्थित आवासीय परिसर में 13 हितग्राहियों को आवास प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों में उत्साह का माहौल रहा। निगम प्रशासन ने बताया कि आवास आबंटन की प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से की गई है, जिससे पात्र परिवारों को स्थायी आवास की सुविधा मिल सके। इस अवसर पर आवास प्रभारी विद्याधर देवांगन, सीएलटीसी किरण चतुर्वेदी, आवास विभाग की नम्रता ठाकुर, जागेश्वर साहू, थलेश्वर जोशी, जी मोहन राव एवं नूतन साहू सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निगम प्रशासन ने कहा कि पात्र हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

कटर दिखाकर मारपीट करने वाला बदमाश गिरफ्तार

भिलाई। कटर दिखाकर मारपीट कर शराब पीने रकम का डिमांड करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि पीड़ित अपने घर काम से जा रहा था। इस दौरान सुपेला के साहिल खान उर्फ गब्बर पीड़ित के पास पहुंचा और शराब पीने के लिए रकम का डिमांड किया। पीड़ित के मना करने पर उसे कटर दिखाकर अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। साहिल ने अपने पास रखे हथियार से पीड़ित पर हमला कर दिया। घटना इन्द्रा नगर सुपेला का है। आरोपी के पास से पुलिस ने एक धारदार हथियार जब्त किया है।

Vedanta Medical Research Foundation
BALCO Medical Centre

बालको मेडिकल सेंटर, नया रायपुर
(NABH से मान्यता प्राप्त अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल) के

कैंसर रोग विशेषज्ञ द्वारा ओपीडी
अब भिलाई, दुर्ग में

दिनांक : 27 जून 2026, शनिवार
समय : दोपहर 2:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक
स्थान : चंदूलाल चंद्राकर मेमोरियल हॉस्पिटल, नेहरू नगर, प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम, भिलाई, दुर्ग

कैंसर विशेषज्ञ से परामर्श पाएं, चिंता मुक्त हो जाएं
डॉ. रश्मि राय
कैंसर रोग विशेषज्ञ
सलाहकार, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
एमडीएस (ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)
FIBCSOMS (Head & Neck)

यदि आपको इनमें से कोई भी लक्षण है तो आज ही डॉक्टर से मिलें
- स्तन में गाँठ
- असामान्य गाँठ का उभार
- मुँह में बदलाव या आवाज में भारीपन
- निगलने में कठिनाई
- लगातार खाँसी, सिरदर्द या बदन दर्द
- ठीक न होने वाले छाले/घाव
- बार-बार बुखार या संक्रमण
- पेट में दर्द या जी मचलना
- पेट फूलना • खून की कमी
- त्वचा (स्किन) में बदलाव
- वजन में बिना कारण कमी
- मल या मूत्र त्यागने की आदतों में बदलाव
- मासिक धर्म चक्र में बदलाव या पेट के निचले हिस्से में दर्द

अपॉइंटमेंट के लिए कॉल करें : 8871663478
8282824444
balcomedicalcentre.com
ATUL

माकपा-सीटू का सीएसपीडीसीएल के सामने प्रदर्शन

बिजली दर वृद्धि का प्रस्ताव वापस ले आयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

बिजली दर वापसी की मांग को लेकर आज गुरुवार को भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) दुर्ग जिला सांगठनिक समिति और सीटू यूनियन द्वारा सेक्टर-1 छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (सीएसपीडीसीएल) कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान राज्य विद्युत नियामक आयोग के नाम सहायक अभियंता (सीएसपीडीसीएल) भिलाई को ज्ञापन सौंपकर जुलाई माह से प्रस्तावित बिजली दर वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग की गई। मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। प्रदर्शन में मापका, सीटू के लोगों के साथ जिलेभर के कार्यकर्ता व आम जन उपस्थित थे।

प्रदर्शन में यूनियन नेताओं ने कहा कि प्रदेश की जनता पहले से ही खाद्य सामग्री, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से परेशान है। ऐसी महंगाई के दौर में बिजली दरों में वृद्धि करना आम नागरिकों, मजदूरों, कर्मचारियों, किसानों तथा छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने जैसा है। बिजली जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। वर्तमान में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 0 से 100 यूनिट तक 4.10 रुपए प्रति यूनिट, 101 से 200 यूनिट तक रुपए 5.20 प्रति यूनिट, 201 से 400 यूनिट तक5.60 प्रति यूनिट तथा 400 यूनिट से अधिक खपत पर रुपए 6.20 प्रति यूनिट की दर लागू है। यदि प्रस्तावित वृद्धि लागू होती है तो प्रति माह 200 से 400 यूनिट बिजली उपयोग करने वाले लाखों परिवारों के मासिक बजट पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। पहले से बढ़ी हुई महंगाई के बीच बिजली बिल में अतिरिक्त वृद्धि आम जनता की क्रय शक्ति को और कमजोर करेगी। माकपा नेताओं ने कहा कि प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद अनेक उपभोक्ताओं द्वारा पूर्व की तुलना में अधिक बिजली बिल आने, खपत के आंकड़ों में विसंगति तथा बिलिंग संबंधी शिकायतें बढ़ने से जनता परेशान है। समाधान किए बिना बिजली दरों में वृद्धि करना उपभोक्ताओं के साथ अन्याय होगा। आयोग व बिजली कंपनियों को बिजली दर वृद्धि के पहले शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर राहत प्रदान करना चाहिए।

अक्षमताओं का बोझ जनता क्यों सहे

माकपा नेताओं ने कहा कि बिजली वितरण व्यवस्था में तकनीकी हानियां, लाइन लॉस तथा प्रबंधन संबंधी कमियों का भार उपभोक्ताओं पर नहीं थोपा जाना चाहिए। बिजली कंपनियों की कार्यकुशलता बढ़ाने, अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण करने तथा वितरण प्रणाली को मजबूत बनाने के बजाय बार-बार बिजली दरों में वृद्धि का रास्ता अपनाना जनहित के विरुद्ध है। बिजली जैसी आवश्यक सेवा का उद्देश्य मुनाफा कमाना नहीं बल्कि जनता को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा उपलब्ध कराना होना चाहिए।

जनहित में बिजली वृद्धि दर वापसी की मांग

प्रदर्शन के दौरान माकपा महासचिव एसपी डे व सीटू महासचिव टी जोगाराव के साथ प्रदर्शनकारियों ने छग विद्युत नियामक आयोग को सौंपे ज्ञापन में मांग की गई कि जुलाई 2026 से प्रस्तावित बिजली दर वृद्धि को तत्काल निरस्त किया जाए। घरेलू उपभोक्ताओं, किसानों एवं छोटे व्यापारियों को राहत देने हेतु बिजली दरों में कमी की जाए तथा उपभोक्ता हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाला यह प्रस्ताव वापस नहीं लिया गया तो व्यापक जनजागरण व लोकतांत्रिक आंदोलन चलाया जाएगा। माकपा एवं सीटू ने प्रदेश की जनता से भी इस जनविरोधी प्रस्ताव के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया।

हरिभूमि लाइव

रायपुर, शुक्रवार 26 जून 2026

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

02

दुर्ग जिले को प्लास्टिक मुक्त ...

रूंगटा यूनिवर्सिटी में फिल्म फेस्टिवल का समापन : भिलाई के युवाओं को मिली बॉलीवुड तक पहुंच की सौगात

चक दे इंडिया की कोमल चौटाला ने सुनाया संघर्ष का किस्सा बोलीं- महिलाओं को आसान निशाना समझना बड़ी भूल

फिल्म चक दे इंडिया में कोमल चौटाला के दमदार किरदार के लिए मशहूर अभिनेत्री और पूर्व हॉकी खिलाड़ी चितराशी रावत ने गुरुवार को रूंगटा यूनिवर्सिटी के फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की। चितराशी ने रियल लाइफ से जुड़ा किस्सा बताया। कहा कि चक दे इंडिया में शाहरूख खान जब सभी खिलाड़ियों को रेस्टोरेंट में खाना खिलाने ले जाते हैं, तब लड़कों से भिड़ने वाला दृश्य केवल अभिनय नहीं था, बल्कि वास्तविक जीवन में भी उन्होंने ऐसे हालात का सामना किया है।

भिलाई। चितराशी ने फिल्म के चर्चित मैकडॉनल्ड्स सीन का जिक्र करते हुए कहा कि उस दृश्य का मकसद लड़कों की पिटाई दिखाना नहीं था, बल्कि लड़कियों के भीतर के गुस्से को सामने लाना था। उन्होंने कहा कि वास्तविक जीवन में ऐसे मौके कम ही आते हैं, लेकिन उनके साथ एक ऐसी घटना जरूर हुई थी। देहरादून में स्कूल से लौटते समय हम भीड़भाड़ वाले बाजार से गुजर रहे थे। अचानक मुझे महसूस हुआ कि किसी ने मुझे पीछे से चिकोटी काटी। उस समय हमारे हाथ में हॉकी स्टिक थी। मैंने जोर से चिल्लाकर कहा, हिम्मत कैसे हुई? चितराशी के अनुसार, उस वक्त वे अपनी चार अन्य सहेलियों के साथ थीं। घटना से गुस्साई लड़कियों ने तुरंत उस व्यक्ति का विरोध किया और उसे सबक सिखाया। अभिनेत्री ने कहा कि उनके भीतर हमेशा से अन्याय के खिलाफ आक्रोश रहा है। यही वजह थी कि जब उन्हें चक दे इंडिया का वह सीन शूट करना था, तो उनकी वास्तविक भावनाएं और अनुभव पर्दे पर स्वाभाविक रूप से उभरकर सामने आ गए। चितराशी का मानना है कि महिलाओं को अक्सर आसान निशाना समझ लिया जाता है, लेकिन जब वे अपने अधिकारों के लिए खड़ी होती हैं, तो गलत करने वालों को करारा जवाब मिल सकता है।

लाइफ में हमेशा बिंदास रहें, जिंदादिली से जीवन बिताएं

चितराशी ने बताया कि, जब वह रूंगटा यूनिवर्सिटी आ रही थीं, तब उन्होंने लाइफ का बढ़िया मोमेंट देखा। उन्होंने बताया कि सुपेला चौक पर ट्रैफिक सिगनल के सामने एक व्यक्ति को जूस पीते हुए देखा, जो चिलचिलाती हुई गर्मी में अपनी मस्ती में डूबा हुआ उस जूस का आनंद ले रहा था। संभव है, उसकी लाइफ में भी बहुत परेशानियां होंगी लेकिन वह उस पल को मजे से जी रहा था। चितराशी ने कहा कि उनकी नोटिस स्किल जबरदस्त हैं, वह हमेशा छोटी-छोटी चीजों पर नजर रखती हैं। चितराशी ने फिल्म फेस्टिवल में शामिल सैकड़ों युवाओं को यह किस्सा सुनाते हुए लाइफ में हमेशा खुश रहने की सीख दी।

युवाओं की मुंबई में ट्रेनिंग होगी

फिल्म भूतनाथ के डायरेक्टर विवेक शर्मा और वेब सीरीज मिर्जापुर के डायरेक्ट अपूर्व धर बड़गैयां ने फिल्म फेस्टिवल के मंच से छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए बड़ी घोषणा की। दोनों ने कहा कि, रूंगटा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फिल्म एंड मीडिया से पढ़ाई करने वाले छात्र उनके साथ काम कर सकेंगे। विवेक शर्मा ने बताया कि उनका खुद का प्रोडक्शन हाऊस है, जिसमें छत्तीसगढ़ के युवा असिस्टेंट डायरेक्टर सरीखी स्ट्रीम में जुड़ेंगे। इसी तरह अपूर्व नए युवाओं को फिल्मों के लिए कहानियां लिखने का सही तरीका समझाएंगे। इस औपचारिक घोषणा के बाद रूंगटा यूनिवर्सिटी इन दोनों के साथ एमओयू करेगा। इसका फायदा फिल्म एंड मीडिया के छात्रों को मिलेगा।

मुंबई में बनी विशेष छॉलीवुड कम्युनिटी

कार्यक्रम के दूसरे मुख्य वक्ता फिल्म अभिनेता ध्रुव आदित्य भागवनानी थे, उन्होंने बताया कि, मायानगरी मुंबई में अब छत्तीसगढ़ के बहुत से कलाकार पैर जमा चुके हैं। इसको लेकर मुंबई में छत्तीसगढ़ के कलाकारों की विशेष कम्युनिटी बनाई गई है। यह सभी एक साथ मिलकर एक-दूसरे की मदद करते हैं। इस फिल्म फेस्टिवल में अभिनेता कियान वसोडिया भी शामिल हुए। उन्होंने फेस्टिवल में दिखाई छत्तीसगढ़ की फिल्मों की तारीफ करते हुए कहा कि, अब छॉलीवुड भी एक्टिंग, डायरेक्शन और एडिटिंग में जबरदस्त काम कर रहा है। फेस्टिवल में पहुंचे विधायक और अभिनेता अनुज शर्मा ने कहा कि, पहले लोग फिल्मों में काम करने को प्रोफेशन नहीं मानते थे, लेकिन आज वह चैलेंज नहीं है। अब फिल्मों के काम करना आसान हो गया है। नए-पए क्रिएटर्स सामने आ रहे हैं। इस दौरान फिल्म डायरेक्टर सतीश जैन, मनोज वर्मा, मनीष मानिकपुरी, डॉ. कीर्ति सिसोदिया, एसएसआईपीएमटी के डायरेक्टर निशांत त्रिपाठी, सुमित अग्रवाल, रूंगटा यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति संतोष रूंगटा, कुलपति डॉ. जवाहर सूरीशेट्टी, सीईओ सोनल रूंगटा और सोमिन लहरी शामिल रहे।

लाइव इवेंट

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के निर्णय का गायत्री परिवार ने किया स्वागत

दुर्ग। गायत्री परिवार ने प्रदेश के स्कूलों में प्रार्थना, गायत्री मंत्र एवं नैतिक-सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन को निरंतर जारी रखने के निर्णय पर प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस संबंध में गायत्री परिवार ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर सरकार के निर्णय का स्वागत किया। कहा गया कि विद्यालयों में प्रार्थना, प्रेरणादायी मंत्र, राष्ट्रभावना एवं सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इससे बच्चों में अनुशासन, नैतिकता, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच एवं सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों का विकास होता है। गायत्री परिवार ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में मानवीय गुणों एवं श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण भी उतना ही आवश्यक है। ऐसे में विद्यालयों में नैतिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए उपयोगी कदम है। गायत्री परिवार के पदाधिकारियों ने शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव एवं स्कूल शिक्षा विभाग के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि शासन के इस निर्णय से विद्यार्थियों में संस्कार आधारित शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही विद्यालयों में इन गतिविधियों को निरंतर जारी रखने की मांग भी की गई। इस अवसर पर हिंदू जागरण मंच, विचार क्रांति अभियान दुर्ग, सृजनशील युवा एवं महिला मंडल पीसगांव, गायत्री परिवार पोटियाकला, गायत्री शक्तिपीठ उतई, गायत्री ज्ञान मंदिर कसारीडीह के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लाइव इवेंट

छत्तीसगढ़ी लोककला के संरक्षण में कार्यशाला की अहम भूमिका : विजय

10 दिवसीय छत्तीसगढ़ स्तरीय लोकवाद्य कार्यशाला शिविर का समापन

भिलाई। संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन एवं कुहुकी के संयुक्त तत्वावधान में जारी 10 दिवसीय छत्तीसगढ़ स्तरीय लोकवाद्य कार्यशाला शिविर का समापन कुहुकी कला ग्राम संग्रहालय परिसर मैत्रीबाग चौक मरोदा सेक्टर में हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार विजय वर्तमान और विशिष्ट अतिथि साहित्यकार मेनका वर्मा व वरिष्ठ लोक कलाकार गणेश विश्वकर्मा थे। शुरुआत में अतिथियों के स्वागत के उपरांत स्वागत भाषण देते हुए अन्नपूर्णा क्षत्रिय ने दस दिवसीय शिविर की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस शिविर में शिल्पकारों ने न सिर्फ अपनी कलाकृतियों और वाद्य यंत्रों का निर्माण किया बल्कि एक दूसरे की कला की बारीकियों को समझा भी। वहीं आगंतुकों ने भी इन कलाकृतियों को बनते हुए देखा। विजय वर्तमान ने कहा छत्तीसगढ़ी लोककला के संरक्षण में इस तरह शिविरों का आयोजन एक जरूरी पहल है और ऐसे ही माध्यमों से हमारी कला व संस्कृति देश व दुनिया में फैलेगी। उन्होंने शिविर के संयोजक रिखी क्षत्रिय की पहल की सराहना करते हुए कहा कि एक दूसरे की कला को सीखने का अवसर देने यह एक बेहतर मंच है। आयोजन को साहित्यकार मेनका वर्मा व वरिष्ठ लोक कलाकार गणेश विश्वकर्मा ने भी संबोधित किया और कलाकारों द्वारा निर्मित कलाकृतियों की सराहना की। अतिथियों ने समापन समारोह में मौजूद शिबू कश्यप बेल मेटल, डमरू चक्रधारी टेराकोटा, ओकेश विश्वकर्मा लौह शिल्प, दीपक तारम काष्ठ कला, रूंजू वाद्य निर्माणकर्ता नीलकंठ देवार, चिकारा वाद्य निर्माणकर्ता मनहरण, तम्बूरा वाद्य निर्माणकर्ता राम कुमार पाटिल और मांदर वाद्य निर्माणकर्ता पन्ना लाल का

लाइव इवेंट

नराकास कविता प्रतियोगिता में रश्मि को मिला प्रथम स्थान

भिलाई। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति तत्वावधान में बैंक ऑफ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय सेक्टर 10 द्वारा आयोजित नराकास स्तरीय कविता लेखन प्रतियोगिता हुई। भिलाई इस्पात संयंत्र की रश्मि नायक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रमुख संदीप कुमार मान तथा नराकास, भिलाई-दुर्ग के प्रतिनिधि बीएसपी के जितेन्द्र कुमार मानिकपुरी विशेष रुप से उपस्थित थे।

5159 वें वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी महापर्व पर हुआ महेश चौक लोकार्पित

दुर्ग। माहेश्वरी समाज द्वारा भगवान महेश की विशेष कृपा से ज्येष्ठ शुक्ल नवमी को 5159 वें वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी महापर्व के अवसर पर गंजपारा में निर्मित महेश चौक का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि सदैव एक दूसरे के साथ जुड़कर संगठन को मजबूत करना, सेवा, त्याग और सदाचार के प्रतिदिन नए-नए उदाहरण प्रस्तुत करना, माहेश्वरी समाज का यह गुण उन्हें अनुपम एवं अद्वितीय बनाता है। महेश चौक एकता, सेवा एवं समर्पण का प्रतीक बनेगा। प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मूंधड़ा ने कहा कि माहेश्वरी समाज राष्ट्र के संकट के समय सदैव खड़ा रहता है। कोविड के समय भी माहेश्वरी समाज ने हर एक स्थान पर अपनी उत्कृष्ट सेवाएं राष्ट्र को प्रदान की। छत्तीसगढ़ में यह चौथा महेश चौक है। कुरूद, सुकमा व बेमेतरा में भी महेश चौक निर्मित है। जिला अध्यक्ष

देवरतन तापड़िया ने महेश चौक लोकार्पण पर अपनी प्रसन्नता जाहिर करते हुए शुभकामनाएं दी। लोककर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर ने कहा कि भगवान महेश के आशीर्वाद से दुर्ग शहर की प्रगति और भी बढ़ेगी। माहेश्वरी पंचायत के अशोक राठी ने कहा कि सभी के सहयोग से समाज के कार्य हो रहे हैं। मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि महेश चौक का लोकार्पण दुर्ग नगर के सांस्कृतिक एवं सामाजिक गौरव का प्रतीक है। इस अवसर पर एमआईसी मेंबर नीलेश अग्रवाल, प्रीति साबू, निखिल भूतड़ा, बाबूलाल काबरा, विजय सोमानी, महेश टावरी, राजकुमार केला, चेतन टावरी, मनोज भूतड़ा, मोहन राठी सहित अन्य मौजूद थे।

शिविर में रक्तदान कर दूसरों को भी किया प्रेरित

भिलाई। जेके ऑर्गेनाइजेशन ने अपने पूर्व अध्यक्ष स्व. हरि शंकर सिंघानिया की 93वीं जयंती पर रक्तदान शिविरों का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस रा ष्ट्र ० या पी अभियान में समूह की विभिन्न कंपनियों के 8,000 से अधिक कर्मचारियों ने स्वैच्छिक रूप से रक्तदान कर समाज सेवा और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। भिलाई में भी कर्मियों ने रक्तदान भाग लिया। रक्तदान से पहले सभी रक्तदाताओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें रक्तचाप, हीमोग्लोबिन तथा वजन की जांच शामिल थी। रक्तदान करने वाले सभी कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए प्रशंसा-पत्र प्रदान किए गए। ऑर्गेनाइजेशन के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. रघुपति सिंघानिया ने कहा के व्यावसायिक प्रगति और सामाजिक प्रगति साथ-साथ चलनी चाहिए।

मुहर्रम पर दस दिन का आयोजन अंतिम चरण में, आज ताजिया के साथ जुलूस की तैयारी

कार्नर न्यूज

भिलाई। मुहर्रम के मौके पर करबला के शहीदों की याद में शहर में जारी 10 रोज को आयोजन अब अपने आखिरी दौर में है। शहर के सभी इमामबाड़ों पर परचमे इस्लाम फहराने के साथ-साथ फातिहा ख्वानी ढोल, ताशे, अखाडो का खेल, तकरीरी प्रोग्राम, मिलाद शरीफ, नौहा व कुरआन ख्वानी चलती रही। अंजुमन हुसैनिया कमेटी की ओर से सड़क- 20, जोन-1, खुर्सीपार में 8 मुहर्रम पर सैयद आलमगीर अशरफ की तकरीर रखी गई। 26 जून को भिलाई-दुर्ग में अलग-अलग हिस्सों से ताजिया निकाला जाएगा। इस दौरान मातमी जुलूस में समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

बड़ी तादाद में मौजूद लोगों के बीच करबला के शहीदों का बयान करते हुए इंटरनेशनल सुन्नी सेंटर नागपुर के फाउंडर और महबूबल उलेमा फाउंडेशन किछौछा शरीफ के संस्थापक सैयद आलमगीर अशरफ ने हजरत इब्राहीम से लेकर इमाम हुसैन तक का खास तौर पर जिक्र किया। उन्होंने हजरत इब्राहीम की अपने बेटे हजरत इस्माइल की कुरबानी के दौरान दुम्बा (भेड़) आने का जिक्र किया वहीं उन्होंने करबला में हजरत इमाम हुसैन की कुरबानी को भी तफसील से बताया। करबला के शहीदों के बयान सुन कर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गई। यहां सलाम पेश किया गया और फातिहा ख्वानी भी हुई।

करबला के शहीदों की दास्तान सुन नम हुई आंखें, तकरीर के बाद हुआ इस्तकबाल, भिलाई-दुर्ग में आज निकलेगा ताजिया और माजमी जुलूस

तकरीर के बाद आयोजन कमेटी की ओर से मुख्यधारा और सोशल मीडिया के अलग-अलग क्षेत्र से जुड़े नौजवानों का इस्तकबाल किया गया। अंजुमन हुसैनिया के सदर हुसैन अली अशरफी की मौजूदगी में अल्लामा आलमगीर अशरफ ने यहां प्रिंट मीडिया से शाहनवाज आलम, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से मुहम्मद शारिक अहमद खान और सोशल मीडिया से साहिल खान, अरसलान खान व आदिल हुसैन का इस्तकबाल किया। उन्होंने सभी नौजवानों की कामयाबी के लिए दुआएं की। इस दौरान स्टेज पर मौलाना मुफ्ती साजिद सकाफी अशरफी, जामी कमर अजहरी, महबूब गौहर, इसरार,हाफिज कुद्दुस, मोहम्मद ताहिर, हाफिज कय्यूम, हाफिज शमशेर, हाफिज मोहम्मद शहादत, हाफिज मोहम्मद शफीक, हाफिज समीर, हाफिज गुलाम रजा और कमालुद्दीन अशरफी सहित तमाम लोग मौजूद थे।

आज पढ़ी जाएगी दुआए आशूरा निकलेगा ताजिया

कर्बला के शहीदों की याद में शहर में अलग-अलग प्रोग्राम हो रहे हैं। इसी कड़ी में खुर्सीपार में अंजुमन हुसैनिया की ओर से 24-25 जून की दरमियानी रात 8 मुहर्रम को शहीद इमाम हसन की चौकी निकाली गई। इस दौरान फातिहा ख्वानी हुई। वहीं गुरुवार की रात सेक्टर-6 ईदगाह के पास, फरीद नगर और दीगर जगहों पर अकीदतमंदों ने अलाव पर चलकर करबला के शहीदों के लिए अपनी मुहब्बत का इजहार किया। यौमे आशूरा पर 26 जून शुक्रवार को शहर की सभी मस्जिदों में दोपहर के वक्त जुमे की नमाज के बाद मिल कर दुआए आशूरा पढ़ी जाएगी। वहीं शहर की परंपरा के मुताबिक ताजिया भी निकाला जाएगा।

लाइव इवेंट

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ध्यान जरूरी, दिया गया प्रशिक्षण

दुर्ग। खालसा पब्लिक स्कूल में आध्यात्म, ध्यान और योग शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य योग को जन-आंदोलन बनाना, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और युवाओं को नशे से दूर रखना रहा। विशेषज्ञों ने बताया कि आध्यात्म और ध्यान को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन के साथ विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर स्काउट-गाइड के संगठन आयुक्त बालक दास राऊत, स्काउटर गाइडर, अनिल कुमार साहू, नीता त्रिपाठी, श्रीकांत रज्जक, निकिता कश्यप, अमृत राव सोनी, महावीर जैन सहित अन्य मौजूद थे।

सिटी इवेंट

वाद-मुक्त अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों को दी गई कानूनी जानकारी

दुर्ग। ग्राम घुघसीडीह में सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता एवं संवाद बैठक का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के क्रम में ग्राम घुघसीडीह में सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण जागरूकता एवं संवाद बैठक का आयोजन ग्राम पंचायत भवन में किया गया। स्थााई और निरंतर लोक अदालत की अध्यक्ष सुषमा लकड़ा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव उमेश कुमार भागवतकर तथा वरिष्ठ न्यायालय प्रबंधक द्वारा घुघसीडीह का भ्रमण किया गया। ग्रामवासियों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ विस्तृत संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों को सामुदायिक मध्यस्थता की अवधारणा, उसके उद्देश्यों एवं लाभों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि सामुदायिक मध्यस्थता ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाले छोटे-छोटे सामाजिक, पारिवारिक, पड़ोसी, भूमि, रास्ता, पानी, घरेलू एवं अन्य स्थानीय विवादों को न्यायालय में वाद प्रस्तुत किए जाने से पूर्व ही आपसी सहमति एवं संवाद के माध्यम से सुलझाने की एक प्रभावी व्यवस्था है। इससे न केवल समय एवं धन की बचत होती है, बल्कि सामाजिक संबंध भी मधुर बने रहते हैं। जानकारी दी गई कि पांच गांवों घुघसीडीह, ननकट्ठी, अरसनारा, निकुम एवं कुथरेल का चयन सामुदायिक मध्यस्थता कार्यक्रम के लिए किया गया है। इन ग्रामों में स्थानीय स्तर पर विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान हेतु जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम, संवाद सत्र तथा मध्यस्थता संबंधी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सुषमा लकड़ा ने कहा कि सामुदायिक मध्यस्थता आपसी संवाद एवं सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देती है। यह व्यवस्था ग्राम स्तर पर शांति, सौहार्द एवं सामाजिक एकता को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे छोटे-छोटे विवादों को न्यायालय तक ले जाने के बजाय आपसी चर्चा एवं मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें। सचिव उमेश कुमार भागवतकर द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत एवं अन्य विधिक सेवा योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई।

इवेंट लाइव

स्व. संजय गांधी को अर्पित की श्रद्धांजलि, संगोष्ठी का भी आयोजन

दुर्ग। स्व. संजय गांधी की 46वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। उनके समर्थकों ने उनके राष्ट्र निर्माण संबंधी विचारों को स्मरण किया। संजय गांधी का निधन 23 जून 1980 को हुआ था। पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि संजय गांधी उन दूरदर्शी नेताओं में थे, जिन्होंने 1970 के दशक में ही भारत के सामने आने वाली अनेक चुनौतियों को पहचान लिया था। जनसंख्या संतुलन, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा और सामाजिक सुधार जैसे विषय आज राष्ट्रीय प्राथमिकताएं बन चुके हैं, जबकि संजय गांधी ने इन मुद्दों की आवश्यकता को दशकों पहले ही समझ लिया था। उन्होंने कहा कि युवाशक्ति पर संजय गांधी का अटूट विश्वास था तथा उनका प्रसिद्ध पंचसूत्रीय कार्यक्रम सशक्त भारत के निर्माण का एक स्पष्ट दृष्टिकोण था। परिवार नियोजन, वृक्षारोपण, साक्षरता, दहेज उन्मूलन और सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों को उन्होंने जन आंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया। वोरा ने कहा कि संजय गांधी की दूरदृष्टि, ऊर्जा और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण आज भी प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने उनकी पुण्य स्मृति को नमन करते हुए कहा कि देश के विकास और सामाजिक परिवर्तन के लिए उनके अनेक विचार आज भी प्रासंगिक हैं। श्रद्धांजलि सभा में पूर्व महापौर आरएन वर्मा, राजकुमार पाली, सुमित घोष, पप्पू श्रीवास्तव, मनोज सिन्हा, लक्की नागेश, आनंद कपूर ताम्रकार, दुष्यंत देवांगन, अशोक मेहरा, सुधीर चंदेल, राहुल अग्रवाल, प्रीतम देशमुख सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

2730 किलो प्लास्टिक किया रिसाइकिल, दुर्ग बन रहा प्रदेश में मॉडल

दुर्ग जिले को प्लास्टिक मुक्त बनाने महिलाओं ने संभाली कमान कोलिहापुरी में कचरा रिसाइकिल कर अर्जित कर रही आमदनी

दुर्ग। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम दुर्ग जिले की ग्राम पंचायत कोलिहापुरी में देखने को मिला है। पंचायत कोलिहापुरी ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में एक ऐसा मॉडल विकसित किया है, जो अब पूरे जिले के लिए प्रेरणास्त्रोत बन रहा है। ग्राम पंचायत की महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने घर-घर से एकत्रित किए गए 2730 किलो प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से पृथक्करण कर उसे अधिकृत पुनर्चक्रण इकाई को विक्रय किया। इस पहल से समूह को कुल 46,410 की आय प्राप्त हुई। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि कचरे का सही प्रबंधन किया जाए तो वह केवल अपशिष्ट नहीं, बल्कि आय का सशक्त माध्यम भी बन सकता है। कोलिहापुरी में अपनाई गई कार्यप्रणाली त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का उत्कृष्ट उदाहरण है।

ग्राम स्तर पर महिला स्व-सहायता समूह की सदस्याएं प्रतिदिन घर-घर जाकर गीला, सूखा एवं प्लास्टिक कचरे का पृथक संग्रहण करती हैं तथा ग्रामीणों को स्त्रोत पर ही कचरा अलग-अलग रखने के लिए जागरूक करती हैं। संग्रहित प्लास्टिक को पहले दुर्ग स्थित एमआरएफ-पीडब्ल्यूएमयू सेंटर में पहुंचाया जाता है, जहां उसे गुणवत्ता एवं प्रकार के आधार पर पीईटी, एचडीपीई, एलडीपीई सहित विभिन्न श्रेणियों में अलग किया जाता है। इससे प्लास्टिक का बाजार मूल्य बढ़ जाता है। कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे के मार्गदर्शन में यह अभियान शुरू किया गया है।

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

जिला पंचायत के सीईओ बजरंग कुमार दुबे ने कहा कि कोलिहापुरी की महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि स्वच्छता और आजीविका एक-दूसरे के पूरक हैं। सही मार्गदर्शन और सामुदायिक सहभागिता से कचरे को भी आर्थिक संसाधन में बदला जा सकता है। जिला प्रशासन ऐसे नवाचारों को निरंतर प्रोत्साहित करता रहेगा। कोलिहापुरी की यह पहल न केवल स्वच्छता अभियान को नई दिशा दे रही है, बल्कि महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। उन्हें रोजगार उपलब्ध हो पा रहा है। वे आत्मनिर्भर बन रही हैं।

कचरे को रिसाइकिल कर अधिकृत एजेंसियों को बेचा जा रहा

प्लास्टिक को रिसाइकिल कर अधिकृत एजेंसियों को बेचा जा रहा है और प्राप्त राशि सीधे महिला समूहों के खातों में जमा की जाती है, जिससे उनकी आय और आर्थिक आत्मनिर्भरता में वृद्धि हो रही है। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के उद्देश्यों को साकार करने के साथ-साथ ग्रामीण महिलाओं के लिए स्थायी आजीविका के अवसर भी निर्मित कर रही है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुरूप ग्रामीणों को गीला, सूखा, घरेलू खतरनाक एवं प्लास्टिक कचरे को अलग-अलग रखने के लिए निरंतर जागरूक किया जा रहा है। प्लास्टिक कचरे की गुणवत्ता के अनुसार पृथक्करण से मिलने वाले बेहतर मूल्य की जानकारी के बाद महिलाओं ने कचरे को अब संपदा के रूप में देखना शुरू कर दिया है। कोलिहापुरी की सफलता से प्रेरित होकर धमधा के ग्राम पंचायत लिटिया तथा पाटन के ग्राम पंचायत पतोरा और गाड़ाडीह में भी इसी मॉडल पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य संचालित किया जा रहा है। जिला प्रशासन का लक्ष्य आगामी समय में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में इस मॉडल को लागू करना है।

आयोजन...

राष्ट्रीय शिविर से लौटे आर्य वीर एवं वीरांगनाओं का हुआ सम्मान

दुर्ग। राष्ट्रीय शिविर आर्य वीर एवं वीरांगना दल में आर्य वीर एवं वीरांगना दल छत्तीसगढ़ से कुल 23 आर्य वीर एवं 26 आर्य वीरांगना ने भाग लिया, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर ओम कुमार ने प्रथम स्थान, संदेश आर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वीरांगना में भूमिका आर्या ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा राष्ट्रीय शिविर में भाग लेने वाले सभी आर्य वीर वीरांगनाओं का सम्मान एवं मार्गदर्शन किया गया। इस हेतु सभा परिसर में एक दिवसीय शिविर आयोजित हुआ, जिसमें प्रथम सत्र में आर्य वीरों को सभा मंत्री अवनी भूषण पुरंग शामिल हुए। इस अवसर पर अतिथि डॉ. आरएस नायक, डॉक्टर मानसी गुलाटी, साक्षी आर्या एवं आचार्य जगबंधु की उपस्थिति रही। द्वितीय सत्र में नियमित शाखा क्यों आवश्यक है और कौन कौन आर्य वीर एवं वीरांगना अपने अपने क्षेत्र में शाखा लगाएंगे, इसका संकल्प लिया गया। इसकी अध्यक्षता कृष्णमूर्ति आर्य एवं हिमांशु आर्य ने की। तीसरे सत्र में शाखा प्रशिक्षण शिविर लगाया गया, जिसमें पूरे प्रांत के आर्य वीर वीरांगनाओं को शाखा लगने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रत्येक वीर वीरांगनाओं द्वारा सामने की ओर आकर भिन्न भिन्न अभ्यास कराया गया। आचार्य अंकित शर्मा ने बौद्धिक एवं भाई नंदलाल द्वारा एक ओजस्वी गीत का अभ्यास कराया गया। इस अवससर पर व्यायाम शिक्षिका कविता आर्या, भूमिका आर्या, प्रेरणा आर्या, वीर तुषार मौजूद थे।

शिवनाथ नदी तट पर हुआ अंतिम संस्कार

संलेखना लेकर त्यागा देह, निकली डोला यात्रा, जुटा सकल जैन समाज

दुर्ग। विद्युत नगर निवासी महिला मधु पति स्व. सुरेश चंद जैन (75 वर्ष) ने संलेखना लेकर देह त्यागा। उन्होंने डोंगरगढ़ में जैन साधू-संतों की मौजूदगी में संलेखना पूरी की और मोक्ष को प्राप्त किया। उनकी अंतिम अंतिम यात्रा पद्मनाभपुर स्थित आवास से निकाली गई। शिवनाथ नदी तट स्थित मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कर किया गया। विधि विधान और मंत्रों द्वारा सकल जैन समाज की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। समाज के प्रचार-प्रसार मंत्री संजय बोहरा ने बताया की दिगंबर संप्रदाय में समाधि एक उत्कृष्ट साधना होती है, जो जैन धर्म के अनुयायियों के लिए बहुत पूजनीय और आत्मा को परमात्मा के मिलन में सहायक होती है। विगत कुछ दिनों से अपने निरंतर त्याग कर समाधि के साथ देवलोक की ओर वीर प्रभु को प्राप्त हुए। समतापूर्वक आध्यात्मिक योगी की समाधि पूर्वक मोक्ष मार्ग पर गमन को शत-शत नमन। इस अवसर पर चंद्रकांत जैन, रमेश बाकलीवाल, वीके जैन, एनके जैन, लालचंद बोहरा, विनोद पटनी, राकेश जैन, राजकुमार जैन, अभिषेक जैन आदि मौजूद थे। संलेखना आचार्य समय सागर के आशीर्वाद से नीरज सागर एवं निर्मद सागर के सानिध्य में प्रतिभास्थली की दीदीयो के समक्ष चंद्रगिरि में संलेखना समाधि ली गई। इसके बाद विद्युत नगर सो डोला निकाला गया।

शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज कैम्पस में 29 जून तक किया जा रहा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

कार्नर न्यूज

विपत्ति के समय मनुष्य भगवान के अधिक निकट रहता है जबकि सुख मिलने पर वह अक्सर प्रभु को ही जाता है भूल

भिलाई। शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के दूसरे दिन कथा व्यास पूज्य डॉ. श्याम सुंदर पाराशर ने श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराते हुए कहा कि किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ से पूर्व मंगलाचरण किया जाता है। मंगलाचरण में भगवान के नाम का स्मरण किया जाता है, क्योंकि इस संसार में केवल प्रभु का नाम ही वास्तविक रूप से मंगलमय है। महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के मंगलाचरण में परम ज्ञानी शुकदेव महाराज ने सत्य की वंदना की है। सभी धर्मग्रंथों, समुदायों एवं पंथों में सत्य को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में सत्य की अपेक्षा करता है। यहां तक कि चोरी करने वाले चोर भी आपस में बंटवारा करते समय सत्यनिष्ठा की अपेक्षा रखते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि सत्य का महत्व सर्वत्र स्वीकार किया गया है। कथा के दौरान महाराज ने महाभारत प्रसंग का वर्णन करते हुए महारानी कुंती की अद्भुत स्तुति का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि कुंती ने भगवान श्रीकृष्ण से सुख नहीं, बल्कि विपत्तियों का वरदान मांगा था। उनका मानना था कि विपत्ति के समय मनुष्य भगवान के अधिक निकट रहता है, जबकि सुख मिलने पर वह अक्सर प्रभु को भूल जाता है। इसलिए जिस विपत्ति में भगवान के चरणों का स्मरण बना रहे, वही वास्तविक रूप से कल्याणकारी है।

वैराग्य, ज्ञान और भक्ति का किया वर्णन, सुनाया कथा का सार

आगे कथा में आचार्य पाराशर ने शुकदेव महाराज के दिव्य जन्म का प्रसंग सुनाया तथा उनके वैराग्य, ज्ञान और भक्ति की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भागवत कथा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मानव जीवन को सत्य, भक्ति, करुणा और सदाचार की दिशा प्रदान करने वाला दिव्य ज्ञान है। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया तथा आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। कथा के मध्य प्रस्तुत किए गए भावपूर्ण एवं मधुर भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। भजनों की मधुर स्वर लहरियों से पूरा परिसर भक्तिमय एवं शांतिमय वातावरण से ओतप्रोत हो गया। श्रद्धालु पूरे समय अत्यंत श्रद्धा एवं एकाग्रता के साथ कथा श्रवण करते रहे।

पूरे समय में परिसर में गूंजता रहा जयकारा, 29 तक आयोजन

भगवान के जयघोष, भजन-कीर्तन एवं सत्संग की दिव्य अनुभूति से श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज, भिलाई का समूचा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता से भर उठा। उपस्थित भक्तों ने कथा को जीवन में सत्य, भक्ति और ईश्वर स्मरण के महत्व को समझने का एक अनुपम अवसर बताया। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आगामी दिवसों में भी अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण करने का आग्रह किया। कथा का आयोजन 29 जून तक किया गया है। अंतिम दिन विधि-विधान से हवन के साथ पूर्णाहुति होगी। साथ ही प्रसादी का वितरण होगा। कॉलेज परिसर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग श्रीमद् भागवत कथा सुनने के लिए पहुंच रहे हैं।

हेल्थ टिप्स

सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं ब्यूटी प्रोडक्ट

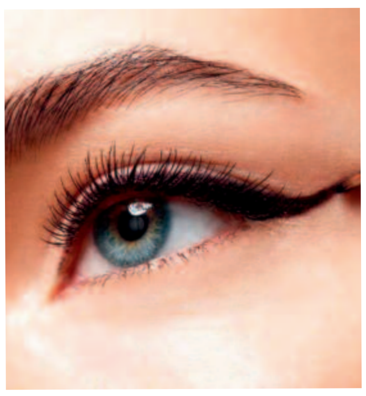

ये बात ज्यादातर महिलाओं को पता ही नहीं होती है कि उनके द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाला मेकअप कैंसर जैसी घातक बीमारी का कारण बन सकता है। आज के समय में मेकअप प्रोडक्ट्स हर महिला की लाइफस्टाइल का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ ब्यूटी प्रोडक्ट्स में मौजूद केमिकल्स आपकी सेहत के लिए बेहद खतरनाक हो सकते हैं? खासकर लंबे समय तक कुछ खास मेकअप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल शरीर में टॉक्सिक असर डाल सकता है और गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है। कई रिसर्च में पाया गया है कि कुछ मेकअप प्रोडक्ट्स में लेड, पैराबेन्स, टाल्क और फॉर्मल्डिहाइड जैसे हानिकारक केमिकल्स पाए जा सकते हैं। ये केमिकल्स स्किन के जरिए शरीर में प्रवेश कर हार्मोनल बैलेंस को बिगाड़ सकते हैं। पर, हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि सभी प्रोडक्ट्स खतरनाक नहीं होते, लेकिन सस्ते और बिना जांचे-परखे कॉस्मेटिक्स का लगातार उपयोग रिस्क बढ़ा सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम सुरक्षित और सर्टिफाइड ब्यूटी प्रोडक्ट्स का ही चयन करें।

लिपस्टिक

लिपस्टिक महिलाओं द्वारा सबसे ज्यादा

इस्तेमाल किया जाने वाला मेकअप प्रोडक्ट है, लेकिन कई सस्ती और अनरेगुलेटेड लिपस्टिक में लेड, कैडमियम और अन्य भारी धातुएं पाई जा सकती हैं। ये केमिकल्स धीरे-धीरे शरीर में जमा होते रहते हैं। लंबे समय तक लगातार इस्तेमाल से यह नर्वस सिस्टम, किडनी और हार्मोन बैलेंस पर असर डाल सकते हैं। कुछ रिसर्च में इन्हें कैंसर रिस्क से भी जोड़ा गया है, खासकर जब इनका सेवन अनजाने में (खाने के साथ) शरीर में चला जाता है।

फाउंडेशन

फाउंडेशन स्किन पर एक लेयर की तरह काम करता है, लेकिन इसमें मौजूद पैराबेन्स, सिलिकोन और प्रिज़रवेटिव्स स्किन के पोर्स के जरिए शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। ये तत्व लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर हार्मोनल सिस्टम को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ स्टडीज़ में पैराबेन्स को ब्रेस्ट कैंसर रिस्क से भी लिंक किया गया है, हालांकि यह पूरी तरह साबित नहीं है, लेकिन सावधानी जरूरी है।

फेस पाउडर

टैल्क आधारित फेस पाउडर काफी लोकप्रिय है, लेकिन अगर इसमें एस्बेस्टस जैसी अशुद्धियां मौजूद हों, तो यह गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। एस्बेस्टस एक ऐसा पदार्थ है जिसे लंबे समय तक सांस के जरिए शरीर में जाने पर फेफड़ों के कैंसर से जोड़ा गया है। इसलिए हमेशा एस्बेस्टस-फ्री सर्टिफाइड प्रोडक्ट्स का ही उपयोग करना चाहिए।

आईलाइनर

कुछ सस्ते आईलाइनर में फॉर्मल्डिहाइड, कोल टार डाई और सिंथेटिक केमिकल्स का उपयोग किया जाता है। ये आंखों में जलन, एलर्जी और लंबे समय में स्किन डैमेज का कारण बन सकते हैं। लगातार उपयोग से ये केमिकल्स शरीर में टॉक्सिक असर डाल सकते हैं, जिसे कई हेल्थ रिपोर्ट्स में कैंसर रिस्क से जोड़ा गया है।

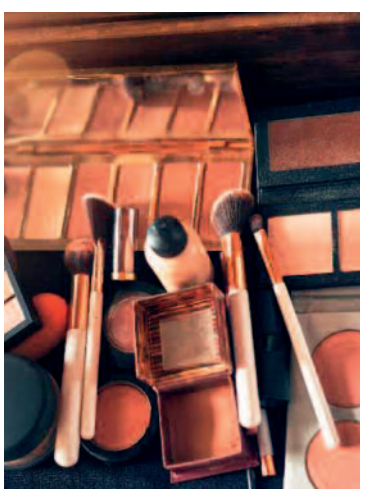

छोटी उम्र से ही गांठ बांध लीजिए कुछ जरूरी बातें तो रहेगा आपका दिल मजबूत

सभी उम्र के लोगों में बढ़ती ही जा रही हृदय रोग- हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्याएं, इनसे बचिए

हृदय की बढ़ती बीमारियों के लिए हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर को प्रमुख कारण माना जाता रहा है, इसलिए इन को कंट्रोल में रखना जरूरी है। लोग अक्सर जानना चाहते हैं कि क्या कोई ऐसा तरीका है, जिसकी मदद से आपको कभी बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की दिक्कत ही न हो?

दरअसल, हृदय रोग की समस्याएं सभी उम्र के लोगों में बढ़ती हुई देखी जा रही हैं। हाल के वर्षों में 30 से कम आयु वालों में हार्ट अटैक और इससे मौत के मामले काफी बढ़ गए हैं। हृदय की बढ़ती बीमारियों के लिए हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर को प्रमुख कारण माना जाता रहा है, इन दिनों को कंट्रोल में रखना शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सबसे जरूरी है। क्या आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल नियंत्रित है?

कोलेस्ट्रॉल का नाम सुनते ही अक्सर दिल की बीमारियों का ख्याल आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल वास्तव में इतना भी बुरा नहीं है? वास्तव में, यह शरीर की कोशिकाओं की बनावट, हार्मोन्स के निर्माण और पाचन में जरूरी भूमिका निभाता है। समस्या तब होती है जब शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है और गुड कोलेस्ट्रॉल की घट जाती है। अब आपके मन में भी सवाल आ रहा होगा कि क्या कोई ऐसा तरीका है, जिसकी मदद

से आपको कभी बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की दिक्कत ही न हो?

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण होने वाली समस्याएं

हृदय रोग विशेषज्ञ कहते हैं, कम उम्र से ही अगर जीवनशैली में सुधार कर लिया जाए तो बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या से बचा जा सकता है। यूएस स्थित कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एड्रियाना क्विनोनेस-कैमाचो कहती हैं, हाई कोलेस्ट्रॉल का स्तर आपके हृदय के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हो सकता है। कोलेस्ट्रॉल वर्षों से आपकी धमनियों की दीवारों में जमा होता है। प्लाक के निर्माण करके धमनियों को संकरा और सख्त कर देता है, जिससे हृदय रोग, दिल के दौरे

और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। बैड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में आपके खराब आहार और गड़बड़ जीवनशैली की मुख्य भूमिका होती है। जो लोग संतृप्त और ट्रांस फैट वाली चीजें अधिक खाते हैं, गतिहीन जीवनशैली जीते हैं, अत्यधिक धूम्रपान और शराब का सेवन करते हैं, मोटापा या मधुमेह जैसी बीमारियों का शिकार हैं उनमें ये दिक्कत अधिक देखी जाती है। इसका मतलब है कि अगर कम उम्र से ही इनमें सुधार कर लिया जाए तो कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के खतरे से बचा जा सकता है।

खान-पान में बदलाव जरूरी

अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशियन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, डाइटरी फाइबर वाली चीजों को आहार में अधिक से अधिक शामिल करके बैड कोलेस्ट्रॉल को 5-10 फीसदी तक कम कर सकता है। दलिया, साबुत अनाज, सेब और बीन्स का सेवन बढ़ाने से आपको लाभ मिल सकता है।

ट्रांस फैट से बचें और ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा बढ़ाएं

बैड कोलेस्ट्रॉल की समस्या से बचे रहने का एक

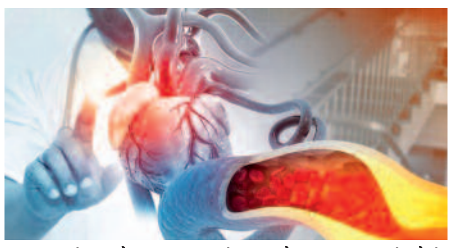

फार्मूला ये भी है कि आहार में ट्रांस फैट वाली चीजें जैसे बेकरी आइटम्स, फ्राई चीजों की मात्रा कम कर दें। इस तरह के खाद्य पदार्थ भी कोलेस्ट्रॉल की समस्या को बढ़ाने वाले हो सकते हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओमेगा-3 फैटी एसिड वाली चीजों को अपने आहार में शामिल करने से हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम 30% तक कम हो सकता है। अखरोट, अलसी के बीज, मछली और एवोकाडो आदि को आहार का हिस्सा बनाएं।

इन उपायों पर भी देते रहें ध्यान

डॉक्टर कहते हैं, कोलेस्ट्रॉल की समस्या कोई अचानक आने वाली बीमारी नहीं है, यह वर्षों तक चुपचाप शरीर में बढ़ती है। लेकिन यदि हम आज से ही अपने खानपान, व्यायाम, सोच और आदतों में बदलाव लाएं तो न केवल हम कोलेस्ट्रॉल से बल्कि उससे जुड़ी हृदय संबंधी बीमारियों से भी सुरक्षित रह सकते हैं।

'प्रोसेस्ड फूड' की दीवानगी ठीक नहीं, सीमित मात्रा में लेना बेहतर

अधिकतर प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे होते हैं जो सेहत के लिए हानिकारक होते हैं, लेकिन कुछ प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे भी होते हैं जिन्हें सीमित मात्रा में लिया जाए तो वो सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में प्रोसेस्ड फूड बहुत से लोगों के जीवन शैली का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। नूडल्स, चिप्स, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ और रेडी-टू-ईट भोजन अपनी सुविधा के कारण बेहद लोकप्रिय हो गए हैं। बेशक ये फूड्स हमारा समय बचाते हैं, लेकिन इसको लेकर कुछ लोगों के मन में अक्सर ये सवाल रहता है कि क्या प्रोसेस्ड फूड वाकई हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं? इस सवाल का सही जवाब जानने के लिए सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि प्रोसेस्ड फूड होता क्या है? यह भी जानना जरूरी है कि सभी प्रोसेस्ड फूड एक जैसे नहीं होते हैं। प्रोसेस्ड फूड की दुनिया काफी जटिल है, कुछ ऐसे हैं जिनसे पूरी तरह से बचना चाहिए, क्योंकि उसमें चीनी, नमक और अनहेल्दी फैट मौजूद होता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें सीमित मात्रा में या सही चुनाव के साथ अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। आइए, प्रोसेस्ड फूड के बारे में विस्तार से जानते हैं, साथ ही उनके संभावित नुकसानों और उनसे बचने या सुरक्षित विकल्पों को चुनने के बारे में भी जानेंगे।

प्रोसेस्ड फूड क्या है?

प्रोसेस्ड फूड वह खाद्य पदार्थ है, जिसे स्वाद, शेल्फ-लाइफ,

या सुविधा के लिए रासायनिक प्रक्रिया से तैयार किया जाता है। इसमें फ्रोजन सब्जियां, डिब्बाबंद फल, और चिप्स जैसे स्नैक्स शामिल हैं। हालांकि, सभी प्रोसेस्ड फूड हानिकारक नहीं होते। उदाहरण के लिए, फ्रोजन मटर या पाश्चुरीकृत दूध न्यूनतम प्रोसेसिंग के साथ पौष्टिक हो सकते हैं। लेकिन अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड, जैसे कि चीनी युक्त पेय, पैकेज्ड स्नैक्स, और रेडी-मेड भोजन, सामान्यतौर पर स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होते हैं।

हानिकारक प्रोसेस्ड फूड और उनके खतरे

अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड में चीनी, नमक, ट्रांस फैट, और कृत्रिम रसायन जैसे प्रिजर्वेटिव्स और रंग अधिक मात्रा में होते हैं। इंस्टेंट नूडल्स, चिप्स, बर्गर, और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का नियमित सेवन मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाता है। इनमें पोषक तत्व कम और कैलोरी अधिक होती है, जिससे पाचन तंत्र पर भी बुरा असर पड़ता है।

किन प्रोसेस्ड फूड से बचें?

कुछ प्रोसेस्ड फूड ऐसे हैं जिनसे हमें पूरी तरह से दूर रहना चाहिए? इनमें मीठे सोडा, एनर्जी ड्रिंक्स, और चिप्स-कुकीज जैसे ट्रांस फैट वाले स्नैक्स आते हैं। आर्टिफिशियल स्वाद वाले रेडी-टू-ईट भोजन भी इसी लिस्ट में हैं। इन चीजों में मौजूद प्रिजर्वेटिव्स और ज्यादा नमक आपकी सेहत बिगाड़ सकते हैं, ये मसूड़ों की बीमारी, मोटापा और हार्मोनल असंतुलन का कारण बन सकते हैं। अब ऐसा नहीं है कि सारे प्रोसेस्ड फूड खराब होते हैं। कुछ तो ऐसे होते हैं जिनकी प्रोसेसिंग बहुत कम होती है, जैसे कि फ्रोजन सब्जियां, डिब्बाबंद दालें या पाश्चुरीकृत दही। अगर इन्हें सीमित मात्रा में लिया जाए तो ये सेहत के लिए ज्यादा नुकसानदायक नहीं होते हैं, बस, एक बात का ध्यान रखें कि इनमें अधिक नमक या चीनी न मिली हो।

वास्तु के अनुसार होना चाहिए पूजा घर, जानिए जरूरी बातें

पूजा घर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि जीवन में संतुलन और समृद्धि का माध्यम भी है। इसलिए पूजा घर बनवाते समय वास्तु से जुड़ी कुछ आवश्यक बातों का ध्यान रखना अत्यंत जरूरी है।

पूजा घर की शुभ दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में पूजा घर के लिए सबसे उत्तम दिशा उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) होती है। यह दिशा भगवान शिव और जल तत्व से संबंधित मानी गई है, जिससे पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यदि यह दिशा उपलब्ध न हो, तो पूर्व दिशा को दूसरा सर्वोत्तम विकल्प माना जाता है। पूजा करते समय व्यक्ति का मुख भी पूर्व या उत्तर की ओर होना चाहिए, इससे साधना में एकाग्रता आती है और ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है।

पूजा घर का स्थान और संरचना

पूजा घर को कभी भी शौचालय, बाथरूम या सीढ़ियों के नीचे नहीं बनाना चाहिए। यह स्थान शांत, स्वच्छ और ऊर्जा से भरपूर होना चाहिए। यदि घर छोटा है, तो ड्राइंग रूम के उत्तर-पूर्व कोने को पूजा के लिए चुना जा सकता है। मंदिर को हमेशा जमीन से कुछ ऊंचाई पर रखें और उसके नीचे किसी भी प्रकार का सामान स्टोर न करें। मंदिर की दीवार पर लकड़ी की पीठ या प्लेटफार्म लगाया जा सकता है।

मूर्तियों की व्यवस्था

मंदिर में स्थापित मूर्तियां 9 इंच से अधिक ऊंची नहीं होनी चाहिए और उन्हें दीवार से थोड़ा दूर रखें ताकि पीछे की ओर हवा का प्रवाह बना रहे। खंडित या टूटी हुई मूर्तियों को तुरंत मंदिर से हटा देना चाहिए क्योंकि ये

नकारात्मक ऊर्जा फैलाती हैं। भगवान की मूर्तियों की संख्या भी सीमित होनी चाहिए। एक ही देवता की कई मूर्तियों को एकसाथ न रखें।

मंदिर का रंग और सजावट

पूजा घर के रंग हल्के और शुभ होने चाहिए, जैसे कि सफेद, हल्का पीला, गुलाबी या क्रीम। गहरे या काले रंगों से बचना चाहिए क्योंकि ये मन और वातावरण पर भारी प्रभाव डालते हैं। मंदिर में धूपबत्ती, दीपक, शंख और घंटी की व्यवस्था अवश्य करें। रोजाना दीपक जलाने और सुगंधित धूप लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

पूजा घर से जुड़ी कुछ सावधानियां

मंदिर को रसोईघर या शयनकक्ष में न बनाएं। यदि जगह की कमी के कारण ऐसा करना पड़े, तो मंदिर को लकड़ी की अलमारी में बनाकर उसे पर्दे से ढक सकते हैं। पूजा स्थान में कभी भी जूते-चप्पल लेकर न जाएं और वहां मोबाइल फोन या अन्य ध्यान भटकाने वाली वस्तुएं न रखें। पूजा घर को हमेशा स्वच्छ और सुगंधित बनाए रखें।

खाना हो गया है जरूरत से ज्यादा तीखा तो ऐसे पाएं राहत

अगर खाना जरूरत से ज्यादा तीखा हो गया है, तो उसमें अतिरिक्त सामग्री मिलाकर मात्रा बढ़ाना, नींबू या सिरका जैसी खट्टी चीजें डालना, शोरबा मिलाना, थोड़ी चीनी या शहद का उपयोग करना और दूध, दही या क्रीम जैसी डेयरी चीजें मिलाना सबसे प्रभावी उपाय हैं। ये तरीके तीखेपन को संतुलित करके खाने का स्वाद बेहतर बनाते हैं। रसोई में खाना बनाते समय कभी-कभी हाथ फिसल जाता है और सब्जी, दाल, करी या सूप में मिर्च जरूरत से ज्यादा पड़ जाती है। एक पल में मेहनत से तैयार किया गया स्वादिष्ट भोजन इतना तीखा हो जाता है कि उसे खाना मुश्किल लगने लगता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि अब इस खाने को फेंकने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। लेकिन अच्छी बात यह है कि कुछ आसान किचन ट्रिक्स की मदद से आप ज्यादा तीखे खाने को आसानी से संतुलित कर सकते हैं। पेशेवर शेफ और फूड एक्सपर्ट्स भी तीखेपन को कम करने के लिए कुछ खास तरीकों का इस्तेमाल करते हैं।

खाने की मात्रा बढ़ाएं

अगर सब्जी, करी या सूप में मिर्च ज्यादा हो गई है, तो सबसे आसान उपाय है उसकी मात्रा बढ़ा देना। उदाहरण के लिए, अगर दाल ज्यादा तीखी हो गई है तो उसमें अतिरिक्त दाल या पानी मिला सकते हैं। सब्जी में अतिरिक्त सब्जियां, आलू या अन्य सामग्री मिलाने से मिर्च का प्रभाव पूरे भोजन में फैल जाता है और तीखापन कम महसूस होता है।

मिर्च की मात्रा वही रहती है, लेकिन कुल भोजन बढ़ जाने से उसका प्रभाव कम हो जाता है। नींबू या सिरका जैसी खट्टी चीजें मिलाएं।

कार्नर न्यूज

बच्चे का टिफिन आपको बनाएगा सुपरमॉम

स्कूली बच्चों का टिफिन होना चाहिए अलग हट कर, दिखनी चाहिए सुपरमॉम की क्रिएटिविटी

इन दिनों ज्यादातर बच्चों के स्कूल खुल चुके हैं या फिर एक जुलाई से खुलेंगे। अपने बच्चों को स्कूल भेजने को लेकर माता-पिता ज्यादातर उत्साहित रहते हैं। खासतौर पर हर मां की सबसे बड़ी चिंता होती है कि वो हर रोज उन्हें टिफिन में ऐसा क्या दें, जो पूरा खत्म होकर वापस आए। क्योंकि बच्चों में खाने को लेकर काफी नखरे होते हैं। हर सुबह इसी बात की चिक-चिक होती है कि आज टिफिन में क्या जाएगा। आपकी इसी समस्या का हल लेकर कुछ ऐसी रेसिपी के बारे में यहां जानकारी, जो बच्चों के लिए बेहद जायकेदार है और जिसे बनाना भी काफी आसान है।

वेजिटेबल पराठा रोल

बच्चों को साधारण सब्जी पराठा देंगे तो उन्हें वो पसंद नहीं आएगा। ऐसे में उनके टिफिन में स्वादिष्ट सा वेजिटेबल पराठा रोल बनाकर पैक करें। इसके लिए गेंहू के आटे से बने पराठे में प्याज, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी और पनीर के की स्टफिंग करें। इसके अंदर टोमेटो कैचअप और मियोनीज भी एड करें, ताकि आसका स्वाद बढ़ जाए। इसे टिफिन में देंगे तो

बच्चे पूरा टिफिन चट करके आएंगे।

पनीर पराठा

बच्चे के टिफिन में साधारण पराठा रखने की बजाय पनीर से भरा पराठा बनाकर तैयार करें। ये पराठा काफी स्वादिष्ट होता है। इसे बच्चे काफी चाव से खाते है। इसलिए अपने बच्चे को अचार के साथ पनीर पराठा टिफिन में दें, ताकि वो इसे मन से खा सकें।

सूजी उत्तपम

गर्मी के मौसम में ऐसी चीजें ही टिफिन में रखनी चाहिए, जो खाने में हल्की हो। ऐसे में सूजी उत्तपम एक बेहतर विकल्प है। सूजी, दही और बारीक कटी सब्जियों से बने छोटे-छोटे उत्तपम आपके बच्चे को काफी पसंद आएंगे। इसे पैक करते समय उसके साथ कैचअप अवश्य रखें, ताकि बच्चे उत्तपम को चाव से खा सकें।

फ्राइड राइस

अगर आपके बच्चे को फ्राइड राइस पसंद है तो टिफिन में उनके लिए फ्राइड राइस तैयार करें। इस फ्राइड राइस को तैयार करने में ढेर सारी सब्जियों का इस्तेमाल करें, ताकि इसका स्वाद कई गुना बढ़ सके। यदि आप ब्राउन राइस तैयार करेंगी तो ये एक हेल्दी विकल्प भी रहेगा।

मिनी इडली

अपने छोटे बच्चे के लिए साधारण इडली बनाने की जगह सूजी से बनी मिनी इडली तैयार करें। सूजी से बनी स्टीम इडली बच्चों के लिए हल्की और हेल्दी होती है। इसे आप फ्राई करके भी टिफिन में रख सकती हैं। फ्राइड इडली बच्चों को काफी पसंद आती है।

मूंग दाल चीला

कुछ हेल्दी विकल्प तलाश कर रही हैं तो मूंग दाल चीला से बेहतर कुछ हो नहीं सकता। दरअसल, मूंग दाल को पीसकर सब्जियों के साथ बना चीला, जो प्रोटीन और टेस्ट दोनों देता है। इसलिए टिफिन में आप ये भी दे सकते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

8 करोड़ में बनी 'ऑब्सेस्ड', 'बैकरूम्स' की कमाई देखकर हैरान हुए स्पीलबर्ग

हॉलीवुड निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग ने इन दिनों सिनेमाघरों में लगी फिल्मों 'ऑब्सेस्ड' और 'बैकरूम्स' की तारीफ की है। उन्हें यह बात अच्छी लगी है कि कम बजट में बनीं फिल्में अच्छी कमाई कर रही हैं।हॉलीवुड के मशहूर निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग अक्सर नई फिल्में देखतें हैं। जो फिल्में उन्हें अच्छी लगती हैं उनकी तारीफ करते हैं। हाल ही में नई रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्में 'ऑब्सेस्ड' और 'बैकरूम्स' 79 साल के स्पीलबर्ग को बहुत पसंद आईं हैं। दोनों फिल्में कम बजट की हैं और अच्छी कमाई कर रही हैं। इसलिए उन्होंने दोनों फिल्मों की तारीफ की है।

हाल ही में फिल्म 'डिस्क्लोजर डे'की स्क्रीनिंग के दौरान, स्पीलबर्ग ने फिल्म के लिए रेड कार्पेट पर वॉक किया। यह फिल्म 12 जून को रिलीज हुई। 'पॉप ड्रॉप' के साथ बातचीत में स्पीलबर्ग ने 'ऑब्सेशन' और 'बैकरूम्स' के बारे में कहा 'मैं उनके लिए बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि यह बहुत शानदार है।' उन्होंने जोश के साथ कहा, 'मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छी बात है कि उनके पास बहुत कम पैसे थे- खासकर 'ऑब्सेशन' का बजट 1 मिलियन डॉलर (लगभग 8 करोड़ रुपये) से भी कम था और दूसरी फिल्म का बजट शायद नौ या दस मिलियन डॉलर (लगभग 86 करोड़ रुपये) था। फिर भी वे इतना अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। मैं उनकी तारीफ करता हूं।' उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक 'बैकरूम्स' नहीं देखी है, लेकिन भागदौड़ खत्म होने के बाद इसे जरूर देखेंगे। उन्होंने आगे कहा, 'मैंने 'ऑब्सेशन' देखी है और मुझे वह बहुत पसंद आई।'

टॉलीवुड

केक काटते विजय को निहारती दिखीं तृषा अलगाव की अटकलों पर लगाया विराम

तृषा कृष्णनन की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने उन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि उनके और विजय के रिश्ते में दूरी आ गई है। तृषा ने देर से ही सही लेकिन मंगलवार शाम विजय के जन्मदिन पर एक प्यार भरी पोस्ट साझा की है।

एक दिन बाद तृषा कृष्णनन ने अपने करीबी दोस्त और तमिलनाडु के नए सीएम विजय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। इस पोस्ट के साथ एक क्यूट मैसेज भी लिखा है। इस पोस्ट पर फैंस ने भी रिएक्शन दिए हैं। साथ ही विजय और तृषा के बीच बढ़ती दूरियों की अटकलों पर भी इस पोस्ट ने विराम लगा दिया। तृषा के साथ विजय तस्वीर में नजर आ रहे हैं, वह अपने जन्मदिन का केक काट रहे हैं। तृषा उन्हें प्यार से निहार रहे हैं। अपने इंस्टाग्राम पेज पर यह तस्वीर साझा करने के साथ तृषा ने कैप्शन में लिखा है, 'उस इंसान को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। जिसकी वजह से सब कुछ इतना खास लगता है।' आगे तृषा ने हार्ट और नजर न लगने वाला इमोजी बनाया है। बता दें कि तृषा हर साल विजय को जन्मदिन की शुभकामनाएं सोशल मीडिया पर देती थीं। लेकिन इस साल ऐसा नहीं हुआ। जन्मदिन वाले दिन तृषा ने विजय के लिए कोई पोस्ट नहीं की। हां, एक दिन बाद पोस्ट कर दी है। लेकिन जब तक तृषा की पोस्ट सामने नहीं आई थी तो फैंस को लगा कि इनके रिश्ते में दूरी आ गई है। साथ ही कुछ फैंस ने तृषा के इंस्टाग्राम पर देखा कि उन्होंने विजय को फॉलो भी नहीं किया हुआ था। इससे फैंस ने अंदाजा लगा लिया कि तृषा ने विजय को अनफॉलो कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार विजय थलापति और तृषा कृष्णनन काफी करीबी हैं। दोनों के रिलेशनशिप में होने की अटकलें सुनने को मिलती हैं।

भोजपुरी

समर का 'दिल परेशान' हुआ रिलीज़ दिलों को छू गया दर्द भरा यह गाना

भोजपुरी सुपरस्टार समर सिंह का नया गाना 'दिल परेशान' रिलीज़ होते ही दर्शकों के बीच छा गया है। समर सिंह की अदाकारी और सुरों की गहराई ने इस गाने को हर दिल अजीज बना दिया है। समर सिंह का नया गाने आते ही छाया भोजपुरी म्यूज़िक इंडस्ट्री के फेमस स्टार समर सिंह का नया इमोशनल सॉन्ग ₹दिल परेशान₹ हाल ही में भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ होते ही वायरल हो गया है। यह गाना टूटे दिलों की पीड़ा, मोहब्बत की तड़प और रिश्तों की उलझन को बेहद भावुक अंदाज़ में पेश करता है, जिसे दर्शकों और श्रोताओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। गाने की रिलीज पर समर सिंह ने कहा, ₹दिल परेशान मेरे दिल के बहुत करीब है। ये सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि उन सभी लोगों की आवाज़ है जिनका दिल टूट चुका है, जिन्होंने प्यार में दर्द सहा है। मैंने कोशिश की है कि अपनी आवाज़ से उन भावनाओं को जीवंत कर सकूं। मुझे खुशी है कि लोग इस गाने से जुड़ पा रहे हैं।₹

इस गीत को समर सिंह ने अपनी दमदार और दर्दभरी आवाज़ से सजाया है, वहीं स्क्रीन पर उनके साथ शिल्पी राघवानी की शानदार परफॉर्मेंस ने भावनाओं को और गहराई दी है। गाने के गीतकार गौतम राय ने जज़्बातों को शब्दों में पिरोया है, जबकि संगीतकार रोशन सिंह ने दर्द और मेलोडी का ऐसा संगम रचा है जो श्रोताओं के दिल को छू जाता है। वीडियो डायरेक्शन की जिम्मेदारी वेंकट महेश ने निभाई है, जिन्होंने हर एक दृश्य को भावनाओं के अनुरूप पेश किया है। गाने की कोरियोग्राफी विक्की फ्रांसिस, और क्रिएटिव डायरेक्शन नितेश सिंह के मार्गदर्शन में तैयार की गई है।

वर्ल्ड ट्रेंड्स

2026 के लिए दुनिया भर में फ़ैशन ट्रेंड्स में सादगी और आराम के साथ एलिगेंस को बढ़ावा मिल रहा है। अभ मज़ेदार रेट्रो मैक्सिमलिज़्म और पूरी तरह से अपनी पसंद के हिसाब से स्टाइलिंग की जा रही है। यह ट्रें ड रोज़मर्रा के आरामदायक कपड़ों को ऐसी चीज़ों के साथ मिलाता है जो आपकी पर्सनैलिटी को खुलकर ज़ाहिर करती हैं।

गुलाबी होंठों की दुश्मन हैं आपकी ये आदतें,इन्हें आज ही छोड़ दें

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने में गुलाबी होंठों का काफी योगदान होता है। इसकी वजह से चेहरा देखने में बेहद खूबसूरत लगता है। पर, कई बार होंठों का रंग बदलकर अपने आप ही काला होने लगता है, जिससे चेहरा भी अजीब दिखता है। होंठों के रंग बदलने के बाद उसपर अगर लिपस्टिक भी लगाई जाए तो भी लुक परफेक्ट नहीं आता। यदि आपके साथ भी ये दिक्कत है तो आपको संभलने की जरूरत है। ज्यादातर लोगों के होंठों का रंग बदलने का कारण उनकी खुद की कुछ आदतें होती हैं। यहां आपको जानना चाहिए कि कौन सी वो तीन आदतें हैं, जो आपके होंठों की दुश्मन हैं।

बार-बार होंठों को चबाना

अगर आपकी आदत बार-बार अपने होंठों को चबाने की है, या फिर आप बार-बार अपना होंठ चाटते हैं तो इससे उनकी ड्राईनेस बढ़ जाती है। तब होंठ ज्यादा रूखे हो जाते हैं तो वो फटते भी ज्यादा हैं। इसके बाद उनका रंग गुलाबी से बदलकर धीरे-धीरे काला होने लगता है। तो

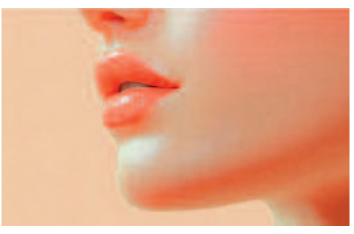

अगर आप भी बार-बार अपने होंठों को चाटते हैं, या चबाते हैं तो ये आदत आज ही छोड़ दीजिए।

खराब क्वालिटी के प्रोडक्ट इस्तेमाल करना

बाजार में आज-कल 10 रुपये में भी लिप बाम बड़ी आसानी से मिल जाता है। ये लिप बाम भले ही आपके होंठों को मुलायम बना देते हैं, लेकिन इनके इस्तेमाल से होंठों की आंतरिक और बाहरी तरह को काफी नुकसान पहुंचता है। इसलिए चाहे लिप बाम हो या फिर लिपस्टिक, उसकी क्वालिटी का खास ध्यान रखें, ताकि इसका असर आपके होंठों पर न हो।

अल्ट्रा वायलेट किरणों से बचाकर न रखना

जो अच्छे क्वालिटी के लिप बाम आते हैं, उनमें सनस्क्रीन वाले तत्व पाए जाते हैं। ये तत्व आपके होंठों को यूवी किरणों से बचाकर रखते हैं। अगर आप सनस्क्रीन युक्त लिप बाम इस्तेमाल नहीं करेंगे तो इससे भी आपके होंठों का कालापन बढ़ता चला जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि अल्ट्रा वायलेट किरणें होंठों की स्किन को डैमेज करती हैं और उनका रंग गहरा कर देती हैं।

ऐसे बरकरार रखें होंठों का गुलाबी रंग

य़दि आप आसान विधि से अपने होंठों का गुलाबी रंग बरकरार रखना चाहते हैं या फिर होंठों का कालापन दूर करना चाहते हैं तो गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल करें। इसके इस्तेमाल के लिए आपको गुलाब की पंखुड़ियों को पीसकर उसमें दूध मिलाकर होंठों पर लगाना है।

लिनन पैंट्स का क्रेज, स्टाइलिश दिखने के साथ देगा कंफर्ट लुक

एक जैसे आउटफिट पहनने की बजाय अब आप इस तरह की खूबसूरत लिनन पैंट्स को ट्राई कर सकती हैं। ऐसी पैंट्स इन दिनों महिलाओं के बीच काफी चर्चा में है। इन दिनों अधिकतर लड़कियों के बीच लिनन पैंट्स का क्रेज बहुत ज्यादा बढ़ गया है। ऐसे में अधिकतर लड़कियां ऑफिस हो या कॉलेज हर जगह इस तरह की पेंट पहनना बहुत पसंद कर रही है। अगर आप भी फैशन की दुनिया में कुछ यूनिक और नया ट्राई करने का सोच रही है, तो इस तरह की लिनन पैंट्स को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की पैंट में आप न सिर्फ स्टाइलिश लुक क्रिएट कर सकती हैं, बल्कि यह आपको आरामदायक लुक देने में भी बेहद मदद करेगा।

लिनन वाइड लेग पैंट

अगर आप ऑफिस में एक जैसे कपड़े पहनकर जा रही हैं और कुछ यूनिक ट्राई करना चाहती हैं, तो अब इस तरह की ओलिव कॉटन लिनन वाइड लेग पैंट को ड्राई कर सकती हैं। ऐसी पैंट आपको कंफर्ट लुक देने में भी बहुत मदद करेगी। इसके साथ आप क्रॉप टॉप और जैकेट भी शामिल कर सकती हैं।

लिनन रेगुलर फिट पैंट

फैशन की दुनिया में भीड़ से हटकर दिखने के लिए आप भी अपने आउटफिट में बदलाव करना चाहती है, तो आप इस खूबसूरत लिनन रेगुलर फिट पैंट को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की पेंट भी इन दोनों बहुत चर्चा में है। इस तरह की पैंट में आपको और भी कई कलर मिल जाएंगे। ऐसी पैंट आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल सकती है।

खाकी लिनन रेगुलर फिट पैंट

आप चाहे तो अपने किसी भी क्रॉप टॉप या शर्ट के साथ इस तरह की खूबसूरत खाकी लिनन रेगुलर फिट पैंट को ट्राई कर सकती हैं।

काले घेरों से बचने अपनाएं ग्लिसरीन का खास उपाय

अगर आप भी अपनी आंखों के नीचे होने वाले डार्क सर्कल्स को कम करना चाहती हैं, तो इस खास घरेलू नुस्खे को आजमा सकती हैं। आंखों के नीचे होने वाले काले घेरे यानी डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए आप ग्लिसरीन का इस्तेमाल कर सकती है। ग्लिसरीन आपकी आंखों के नीचे होने वाले डार्क सर्कल्स को कम करने में लाभदायक हो सकता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए आप सबसे पहले आलू को कद्दूकस कर उसका रस अलग कर ले। इस रस में थोड़ा ग्लिसरीन और कुछ बूंद नींबू की ऐड कर दें। अब इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में या किसी छोटी डिब्बी में भरकर रखें।

इन बातों का रखें ध्यान

अब आपका मिश्रण बनकर तैयार हो गया है आप रोजाना रात में सोने से पहले इसे अपनी आंखों के नीचे लगाकर सो सकती है। लेकिन ध्यान रहे जब भी आप डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए इस मिश्रण का इस्तेमाल करें, तो अपनी आंखों का जरूर ध्यान रखें। क्योंकि अगर गलती से यह मिश्रण आंखों में चला गया तो इससे आपको दूसरी परेशानी हो सकती है। आप इस मिश्रण का रोजाना रात में सोने से पहले इस्तेमाल कर सकती हैं। आप चाहे तो इसे सुबह-सुबह भी आंखों के नीचे लगा सकती हैं। किसी भी चीज का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, क्योंकि कुछ लड़कियों की स्किन पर इससे रिएक्शन हो सकता हैं।

ट्रेंडिंग इयररिंग डिजाइन बनाएंगे आपको खूबसूरत

अगर आप भी अपने ऑफिस लुक को सबसे यूनिक और अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आज हम आपको कुछ ऐसे ट्रेंडिंग इयररिंग डिजाइन बताएंगे, जिसे आप अपने ऑफिस में पहनकर जा सकती हैं।

गोल्डन हेलो इयररिंग्स

कुछ महिलाओं के लिए ऑउटफिट के हिसाब से सही एक्सेसरीज चुनना एक मुश्किल काम हो सकता है, ऐसे में अब आप अपने ऑफिस में कैसुअल लुक को खास बनाने के लिए इस तरह के खूबसूरत गोल्डन हेलो इयररिंग्स आपके लिए बेस्ट हो सकते हैं। इन्हें आप अपने किसी भी ऑउटफिट के साथ ट्राई कर सकती हैं।

पर्ल परफेक्शन इयररिंग्स

अगर आप अपने फॉर्मल लुक में कुछ बदलाव करना चाहती हैं और अपने लुक को गॉर्जियस बनाना चाहती हैं, तो अब आप इस तरह के खूबसूरत पर्ल परफेक्शन इयररिंग्स ट्राई कर सकती हैं। इसे पहनकर आप न सिर्फ अपने लुक को खूबसूरत बना सकती हैं बल्कि यह आपकी खूबसूरती में भी चार चांद लगा देगा। ऐसे इयररिंग आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल जाएंगे।

ट्रॉपिकल ग्लोरी गोल्ड इयररिंग

इसके अलावा आप इस तरह के खूबसूरत ट्रॉपिकल ग्लोरी गोल्ड इयररिंग को ट्राई कर सकती हैं। ऐसे इयररिंग्स क्लासिक और सदाबहार होते हैं। ऑफिस लुक को खास बनाने के लिए आप इस तरह के इयररिंग को चुन सकती हैं। ऐसे इयररिंग आप किसी भी तरह के ऑउटफिट के साथ पहन सकती हैं। इसमें आप बेहद खूबसूरत लगेंगी। इसके अलावा आप ऑफिस वियर में मॉडर्न और सोफिस्टिकेटेड लुक क्रिएट करने के लिए इस तरह के खूबसूरत ब्लश लग्जरी गोल्ड इयररिंग को ट्राई कर सकती हैं। ऐसे इयररिंग आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने के साथ-साथ आपके लुक को एलिगेंट टच देने में भी बेहद मदद करेगा।

कार्नर न्यूज

कम उम्र में ही पुरुष गंजेपन के शिकार हो रहे, दुनिया भर में बढ़ रही तादाद

हेयर फॉल से परेशान लोगों को जानना चाहिए डीएचटी ब्लॉकर्स को, रुक सकती है परेशानी

दुनिया के तमाम देशों में कम उम्र में ही कई पुरुष गंजेपन के शिकार हो रहे हैं। एजुकेशन और करियर में बेस्ट देने वाले लोग भी बालों की समस्या के कारण लुक के मोर्चे पर मात खा रहे हैं। हेयर फॉल की समस्या न सिर्फ उनके लुक को प्रभावित करती है बल्कि मन में हीनता की भावना भी लाती है। हेयर फॉल या बालों के झड़ने की समस्या कई वजहों से होती है। इनमें खराब हेयर केयर, प्रदूषण, खराब लाइफस्टाइल से लेकर अनुवांशिक कारणों और टेस्टोस्टेरोन तक का बड़ा योगदान होता है।

आमतौर पर लोग टेस्टोस्टेरोन को केवल यौन शक्ति या सेक्स पावर बढ़ाने वाली चीज से ही जोड़कर देखते हैं। लेकिन पुरुषों की लाइफ में टेस्टोस्टेरोन का योगदान इससे कहीं बढ़कर है। ये आपके बालों की ग्रोथ और हेल्थ को तय करने वाला अहम फैक्टर है, जिसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

कुछ लोग मानते हैं कि, बॉडी बिल्डिंग करने या मसल्स गेन करने पर टेस्टोस्टेरोन का लेवल हाई होता है जिसकी वजह से बाल झड़ जाते

हैं। ये पूरा सच नहीं है। इसमें डाइट और स्ट्रेस जैसे फैक्टर्स भी हैं, जो हेयर ग्रोथ और हेयर लॉस दोनों को बड़े पैमाने पर प्रभावित करते हैं।

जब भी हेयर लॉस की चर्चा होती है तो, डीएचटी का नाम भी लिया जाता है। डॉक्टर और डर्मेटोलॉजिस्ट भी अपने मरीजों से अक्सर डीएचटी सेंसेटिविटी की चर्चा करते हैं। इसे हेयर फॉल की सीरियस मामलों और मेल पैटर्न बाल्डनेस जैसी समस्याओं की मुख्य वजह भी माना जाता है। इसलिए आपको जानना चाहिए कि, डीएचटी ब्लॉकर्स और डीएचटी सेंसिटिविटी क्या है? इसके अलावा, हेयर फॉल की समस्या में डीएचटी ब्लॉकर्स और सेंसिटिविटी का क्या योगदान है?

डीएचटी या डाइहाइड्रोटेस्टोस्टेरोन एक बहुत ही महत्वपूर्ण मेल हार्मोन है। जिसका सीधा असर बियर्ड और बालों की ग्रोथ पर पड़ता है। यही वो फैक्टर है, जिससे हमारी यौन क्षमता और आवाज का भारीपन या बेस भी तय होता है। लेकिन अगर डीएचटी की सेंसिटिविटी कम हो जाए तो भी समस्याएं होती हैं और अगर ये आवश्यकता से अधिक एक्टिव हो जाए तो भी कई तरह की समस्याएं शुरू हो जाती हैं। पहले ये जानते हैं कि, डीएचटी ब्लॉकर्स आखिर हैं क्या?

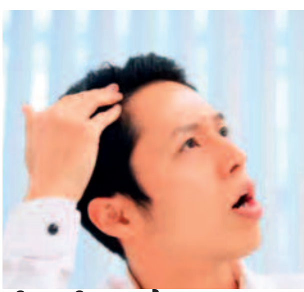

डीएचटी क्या है?

डीएचटी (डीएचटी) या डाइहाइड्रोटेस्टोस्टेरोन एक एंड्रोजेन है। ये शरीर में पुरुषत्व की पहचान मानी जानी वाली चीजों के लिए जिम्मेदार होता है। इन चीजों में सिर के बाल, दाढ़ी, बॉडी हेयर आदि शामिल हैं। इसकी वजह से अंडकोष में वीर्य बनता है और आवाज में भारीपन आता है। किसी इंसान में जितना ज्यादा डीएचटी मौजूद होगा, पूरे शरीर में बाल उतने ही ज्यादा होंगे। ज्यादा डीएचटी का प्रभाव दाढ़ी के घनेपन पर भी पड़ता है। हाई डीएचटी लेवल वाले पुरुषों की दाढ़ी ज्यादा घनी और भरावदार होती है। लेकिन ज्यादा डीएचटी लेवल का मतलब ये भी है कि, हेयर फॉल भी ज्यादा होगा।

हाई डीएचटी लेवल से क्या होता है?

हाई डीएचटी लेवल से हेयर फॉल इसलिए होता है क्योंकि, डीएचटी में हेयर फॉलिकल्स या बाल की जड़ों को संकुचित करने या सिकुड़ने का गुण पाया जाता है। ये स्कैल्प में बाल की जड़ों के पास पाए जाने वाले रिसेप्टर्स को संकुचित कर देता है। रिसेप्टर्स के संकुचित हो जाने के कारण बाल की जड़ों तक पोषक तत्व का पहुंचना कम हो जाता है। डीएचटी लेवल के ज्यादा बढ़ने पर ये बंद भी हो सकता है। इसकी वजह से हेयर फॉल की समस्या शुरू हो जाती है।